24 जुलाई 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

शेरू सिंह की पत्नी का डर, पति की हो सकती है हत्या 2

सुप्रीम कोर्ट का फरमान: दहेज प्रताड़ना व घरेलू हिंसा के मामले में आरोपी नहीं होंगे दो माह तक गरिफ्तार

एजेंसी/नई दिल्ली

दहेज प्रताड़ना और घरेलू हिंसा के केस-मुकदमे को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसे मामलों में पुलिस केस करने वाली महिला के पति या ससुरालवालों को तत्काल गिरफ्तार न करे। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों को लेकर कई अहम दिशा निर्देश भी दिये हैं। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की बेंच ने घरेलू हिंसा और दहेज प्रताड़ना के मामलों को लेकर ये फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि इन मामलों पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो साल पहले ही अपना फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट का वह फैसला सही है औ? उसे पूरे देश में अपनाया जाना चाहिये।

♦ सुनवाई के पहले एफडब्ल्यूसी सुलझाएगी विवाद

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के तहत दर्ज मामलों में पुलिस आरोपियों को दो महीने तक गिरफ्तार न करे। कोर्ट ने कहा कि जब कोई महिला अपने ससुराल वालों के खिलाफ 498ए के तहत घरेलू हिंसा या दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराए तो पुलिस वाले उसके पति या उसके रिश्तेदारों को दो महीने तक गिरफ्तार न करे। कोर्ट ने दो महीने की अवधि को शांति अवधि कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला आईपीएस अधिकारी से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान ये फैसला सुनाया है। महिला आईपीएस अधिकारी ने अपने पति औ? ससुराल वालों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। कोर्ट ने उन आरोपों को गलत मानते हुए उस महिला अधिकारी को उससे अलग हुए पति और उसके रिश्तेदारों के उत्पीड़न के लिए अखबारों में माफीनामा प्रकाशित कर माफी मांगने का भी आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में लागू करने को कहा: देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने इन दिशा-निर्देशों को पूरे भारत में लागू करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने ने अपने आदेश में कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा 13 जून 2022 को क्रिमिनल रिवीजन नंबर 1126/2022 के विवादित फैसले में अनुच्छेद 32 से 38 के तहत आईपीसी की धारा 498ए के दुरुपयोग से बचाव के लिए परिवार कल्याण समितियों के गठन के संबंध में तैयार किए गए दिशानिर्देश प्रभावी रहेंगे और अधिकारियों द्वारा लागू किए जाएंगे। इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा जारी यह दिशानिर्देश 2017 में राजेश शर्मा एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य मामले में दिए गए फैसले पर आधारित हैं। दिलचस्प बात यह है कि 2018 में सोशल एक्शन फॉर मानव अधिकार बनाम भारत संघ के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इसे निरस्त भी कर दिया था। इस वजह से एफडब्ल्यूसी निष्क्रिय हो गए थे। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले के बाद इलाहाबाद हाई कोर्ट के दिशानिर्देश पूरे देश में लागू हो गए हैं।

दो माह तक कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी पुलिस

दरअसल 2022 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना और घरेलू हिंसा के मामलों को लेकर आदेश जारी किया था। इसके मुताबिक, अगर घरेलू हिंसा और देहज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज हो तो पुलिस को दो महीने तक पति या पति के परिवार वालों की गिरफ्तारी नहीं करने का आदेश दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि था कि केस दर्ज होने के बाद 2 महीने का समय शांति अवधि होगी। हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के तहत दर्ज मामलों को पहले उस जिले की परिवार कल्याण समिति को निपटारे के लिए भेजा जाना चाहिए। परिवार कल्याण समिति को इस विवाद को सुलझाने के लिए दो महीने का समय दिया जाना चाहिये और इस दौरान यानी पहले के दो महीनों तक पुलिस कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी।

एफडब्ल्यूसी को भेजा जाएगा मामला: कोर्ट के आदेश के मुताबिक प्राथमिकी या शिकायत दर्ज होने के बाद शांति अवधि समाप्त हुए बिना, नामजद अभियुक्तों की कोई गिरफ्तारी या पुलिस कार्रवाई नहीं की जाएगी। इस शांति अवधि के दौरान, पुलिस के समक्ष दर्ज मामला तुरंत उस जिले में एफडब्ल्यूसी को भेजा जाएगा. कोर्ट ने कहा है कि केवल वही मामले एफडब्ल्यूसी को भेजे जाएंगे, जिनमें आईपीसी की धारा 498-ए के साथ-साथ, कोई क्षति न पहुँचाने वाली धारा 307 और आईपीसी की अन्य धाराएं शामिल हैं और जिनमें कारावास 10 वर्ष से कम है।

एसआईटी ने किया बड़ा खुलासा : फर्जी दूतावास व फर्जी अफसर गिरफ्तार

हर्षवर्धन के घर से मिले 44 लाख रुपये कागजात और डिप्लोमैटिक पासपोर्ट

♦ चार डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट लगी लग्जरी गाड़ियां की गई बरामद

एजेंसी/नई दिल्ली

यूपी में गाजियाबाद की एक पॉश कॉलोनी में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब यूपी एसटीएफ (नोएडा यूनिट) ने एक आलीशान कोठी पर छापा मारा। इस छापेमारी के दौरान एक ऐसा फर्जी दूतावास पकड़ा गया, जिसे देखकर खुद अफसर भी दंग रह गए। इस दौरान मौके से गिरफ्तार किए गए शख्स का नाम हर्षवर्धन जैन है, जो कविनगर, गाजियाबाद का रहने वाला है। हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपी हर्षवर्धन खुद को हर्षवर्धन जैन खुद को वेस्ट आर्कटिका, सबोर्गा, पौल्विया और लोडोनिया देश का एंबेसडर बताता था। इनमें से दो देश तो दुनिया के नक्शे पर ही नहीं हैं, जबकि दो माइक्रोनेशन हैं। यूपी एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कविनगर गाजियाबाद में एक कोठी किराए पर ले रखी थी, वहां वेस्ट आर्कटिका के नाम से ये फेक दूतावास खोल रखा था।

आरोपी के पास से चार डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट लगी लग्जरी गाड़ियां, 12 फर्जी डिप्लोमैटिक पासपोर्ट और विदेश मंत्रालय की नकली मुहरें बरामद की गई हैं। उसके पास 34 अलग-अलग विदेशी कंपनियों और देशों की मोहरें, फर्जी प्रेस कार्ड, पैन कार्ड और करीब 44.7 लाख रुपये कैश मिले हैं। इसके अलावा कई फॉरेन करेंसी और कुल 18 डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट भी बरामद की गईं। आरोपी हर्षवर्धन लोगों को झांसे में लेने के लिए प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और अन्य वीआईपी हस्तियों के साथ मॉर्फ की हुई तस्वीरों का इस्तेमाल करता था।सोशल मीडिया और वेबसाइट्स पर इन्हीं फर्जी फोटोज के जरिए लोगों को बातों में फंसाता था और उन्हें झांसे में लेकर विदेशों में काम दिलाने के नाम पर बड़ी दलाली करता था।

पुराना है आपराधिक इतिहास : एसटीएफ के अनुसार, आरोपी हर्षवर्धन का मुख्य काम विदेश में नौकरी के नाम पर दलाली, फर्जी दस्तावेज बनवाना और शेल कंपनियों के माध्यम से हवाला ट्रांजेक्शन करना है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि वह पहले भी विवादों में रह चुका है। साल 2011 में अवैध सैटेलाइट फोन रखने के मामले में उसके खिलाफ थाना कविनगर में मामला दर्ज हुआ था। इसके अलावा उसका नाम कुख्यात चंद्रास्वामी और इंटरनेशनल आर्म्स डीलर अदनान खगोशी से संपर्कों में भी जुड़ा है। एसटीएफ की कार्रवाई के बाद कविनगर थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि उसका नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है और अब तक कितने लोगों को वह अपने जाल में फंसा चुका है। पुलिस और जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुट गई हैं।

व्हाइट हाउस के गेट पर खड़े रहते थे बाउंसर

गाजियाबाद जनपद के कवि नगर में कोठी नंबर केबी 35 व्हाइट हाउस के नाम से मशहूर हो गई थी। इस कोठी का इलाके में अलग ही रुतबा था। गेट पर काले रंग के सफारी सूट में बाउंसर खड़े रहते थे। हर्षवर्धन ने दूतावास चोरी-छिपे नहीं चला रखा था।स्थानीय लोगों को पता था कि यहां दूतावास चल रहा है। दूतावास और विदेशी झंडे लगे होने के कारण ही स्थानीय लोग इसे व्हाइट हाउस कहते थे। आरोपी के घर से एक किलोमीटर के दायरे में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के कार्यालय और आवास हैं। पुलिस ने कभी इस कोठी में हाथ डालने की जहमत नहीं की।
कोठी से 100 मीटर की दूरी पर पुलिस चौकी है और 400 मीटर की दूरी पर थाना है। एक किलोमीटर के दायरे में पुलिस कमिश्नरेट के साथ-साथ प्रशासनिक अफसरों के कार्यालय और आवास भी है। कोठी के बाहर अवैध नंबर प्लेट की गाड़ियां खड़ी देखकर भी पुलिस ने कभी चेक नहीं किया। यह दूतावास एक दो माह नहीं बल्कि पिछले 10 वर्ष से संचालित हो रहा था। स्थानीय लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर गाजियाबाद पुलिस को इसकी भनक क्यों नहीं लगी या पुलिस ने इसे जानबूझकर अनदेखा किया? बुधवार को कोठी के बाहर एकत्रित लोगों ने कहा कि गाजियाबाद पुलिस का मुखबिर तंत्र बेहद कमजोर हो गया है। वहीं इसे इंटेलिजेंस का फेलियर भी माना जा रहा है। एसटीएफ ने यह नहीं बताया कि धोखाधड़ी कितने लोगों के साथ हुई और कितने रुपये की धोखाधड़ी हुई? आरोपित कब से धोखाधड़ी कर रहा था? आरोपित के पास इतनी रकम और विदेशी मुद्रा किस माध्यम से प्राप्त हुई? इन सब सवालों के जवाब एसटीएफ के पास नहीं है। एसटीएफ का कहना है कि यह जांच का विषय है।

एजुकेशन लोन ले गायब हुए 55 हजार छात्र पर मुकदमे की तैयारी

पटना। बिहार में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत शिक्षा ऋण लेने वाले हजारों छात्र अब राज्य सरकार की रडार पर हैं। बिहार स्टेट एजुकेशन फाइनेंस कॉरपोरेशन की हालिया समीक्षा में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि राज्य के करीब 55,000 छात्र ऐसे हैं, जिन्होंने शिक्षा ऋण तो लिया, लेकिन न तो उसकी किस्त चुकाई और न ही किसी भी प्रकार का संपर्क बनाए रखा है। अब शिक्षा विभाग ने इन "गायब" हो चुके छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने जा रही है। कई छात्रों पर केस दर्ज किया गया है और कई पर नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

बिहार सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के तहत छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए ऋण दिया जाता है। कोई भी छात्र पैसे की कमी के कारण पढ़ाई से वंचित न रह जाए यह इस योजना का उद्धेश्य था लेकिन अब इस योजना में भारी गड़बड़ी सामने आ रही है। राज्यभर के 38 जिलों में से 60,722 छात्रों की सूची तैयार की गई, जिन पर ऋण चुकता नहीं करने का आरोप है। 5,737 छात्रों ने ना तो शपथ पत्र जमा किया और ना ही किस्त की राशि चुकायी। जबकि शेष बचे 55,000 छात्र पूरी तरह लापता हैं। ये छात्र ना तो संपर्क में हैं और ना ही किस्ती का भुगतान ही कर रहे हैं। अब तक 27,258 छात्रों पर नीलामपत्र दायर किया गया है। 11,850 को वसूली नोटिस भेजा गया है। 27,277 छात्रों पर अभी भी कार्रवाई लंबित है।

@खगड़िया: मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, तीन तस्कर गिरफ्तार

पकड़े गए तीनों आरोपित मुंगेर के निवासी

केटी न्यूज/पटना

खगड़िया में एसटीएफ जिला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। पुलिस ने तीन धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। वहीं कई हथियार और उपकरण बनाने के औजार भी जब्त किया है। खगड़िया के मोरकाही थाना क्षेत्र के कामाथान बहियार में अवैध रूप से संचालित एक मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन गुप्त सूचना के आधार पर हुई। मिले इनपुट पर एसटीएफ और जिला पुलिस की टीम ने बहियार में छापेमारी की।

मोरकाही थाना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने गुड्डू यादव, पिता पुलिस यादव के घर पर छापेमारी की। इस दौरान हथियार बनाने वाले उपकरण और सामग्री के साथ तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, मौके से नौ अन्य तस्कर भागने में सफल रहे. उनकी धरपकड़ के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। दरअसल, कामाथान बहियार में स्थित गुड्डू यादव बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल थाना का है। जहां खुलेआम अवैध हथियार का निर्माण हो रहा था। संयुक्त कार्रवाई में मौके से तीन गिरफ्तार अभियुक्तों में इंजमामुल, मो. वसीम और मो सदरूल है। तीनों पकड़े गए अभियुक्त मुंगेर का रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि तीनों अभियुक्त पूर्व में भी जेल की सजा काट चुके हैं और अपराध की दुनिया में संलिप्त रहे हैं। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने अवैध हथियार निर्माण में प्रयुक्त उपकरण और हथियार भी बरामद किए हैं।

हथियार बनाने के सामान बरामद: एसपी राकेश कुमार ने बताया कि मौके से तीन पूर्ण निर्मित पिस्टल तीन अर्द्धनिर्मित पिस्टल ड्रिल मशीन हथोड़ा सहित 31 प्रकार के हथियार बनाने के सामानों को पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस कप्तान राकेश कुमार ने बताया आगे भी इसी तरह लगातार छापेमारी की जाएगी और आपराधिक गतिविधि वाले लोगों को गिरफ्तार कर हवालात में भेजा जाएगा। पुलिस ने हथियार बनाने के सामानों को बरामद किया है।

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा में 29 अभ्यर्थियों पर कार्रवाई, चार गिरफ्तार; 13 निष्कासित

केटी न्यूज/पटना

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती की बुधवार को हुई लिखित परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। राज्य के सभी जिलों में कुल 627 परीक्षा केन्द्रों पर एकल पाली में आयोजित हुई परीक्षा के दौरान 29 अभ्यर्थियों पर कार्रवाई की गई और चार लोगों को गिरफ्तार किया गया।

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा के लिए एकल पाली में अभ्यर्थियों की उपस्थिति निर्गत प्रवेश-पत्र की लगभग 80 प्रतिशत रही। जिला पदाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों के नेतृत्व में जिला स्तर पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। साथ ही परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश पूर्व जांच और तलाशी ली गई।

परीक्षा के दौरान कदाचार के आरोप में 29 अभ्यर्थियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई, जिनमें से 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 13 अभ्यर्थियों को निष्कासित किया गया है और 4 अभ्यर्थियों पर प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। गिरफ्तार अभ्यर्थियों में पश्चिमी चंपारण से 2, कटिहार व सहरसा में एक-एक शामिल हैं। वहीं, भागलपुर में 13 अभ्यर्थियों को निष्कासित किया गया।

तेजस्वी ने दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी: बोले... पहले वोटर सरकार चुनते थे, अब सरकार चुन रही है मतदाता

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष व राजद नेता तेजस्वी यादव ने एसआईआर को लेकर बड़ा बयान दिया है। मीडिया ने जब पूछा कि क्या विपक्ष आपसी सहमति से चुनाव बहिष्कार का फैसला ले सकती है क्या? तब तेजस्वी यादव ने कहा कि इस पर भी चर्चा हो सकती है। हम देखेंगे कि जनता क्या चाहती है और सबकी राय क्या है?

ऐसा करें कि भाजपा को एक्सटेंशन दे दो : तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि चुनाव के बॉयकॉट पर हम चर्चा करेंगे। चर्चा के बाद पता करेंगे कि जनता क्या चाहती है और बाकी पार्टियां क्या चाहती हैं? तेजस्वी ने आगे कहा कि जब चुनाव ईमानदारी से करवाया ही नहीं जा रहा तो चुनाव ही क्यों करवा रहे हैं। ऐसा करें कि भाजपा को एक्सटेंशन दे दो। उन्होंने कहा कि चुनाव कांप्रेमाइज हो चुका है। अभी तक चुनाव आयोग प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं किया। बिहार में चुनाव होने जा रहा है और इसी बीच अचानक से इतना बड़ा ड्राइव चला दिया गया। मतदाता पुनरीक्षण का काम दो दिन और चलेगा। तेजस्वी ने कहा कि पहले वोटर्स सरकार को चुनते थे लेकिन अब सरकार वोटर्स चुन रही है।

सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों के लिए अच्छी खबर: जल्द लागू होगा आठवां वेतन आयोग

बेसिक सैलरी 18 हजार से बढ़कर 51 हजार होने की संभावना

एजेंसी/नई दिल्ली

आठवें वेतन आयोग का गठन जल्द होने जा रहा है। जनवरी 2026 तक इसे लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसे लेकर राज्य वित्त मंत्री पंकज चौधरी ने जानकारी दी। बताया कि 8वें वेतन आयोग को लेकर राज्य सरकारों, वित्त मंत्रालय और संबंधित विभागों से परामर्श की प्रक्रिया चल रही है।

जल्द ही इसे लागू कर दिया जाएगा। इस आयोग के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स के वेतन, पेंशन और भत्तों में

इजाफा हो जाएगा। कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में जबरदस्त उछाल देखने को मिलेगी। साथ ही महंगाई भत्ता और फिटमेंट फैक्टर भी बढ़ेगा, जिससे कर्मचारियों और पेंशनर्स को लाभ मिलेगा। 8वें वेतन आयोग के तहत सैलरी में ठीक वैसे ही इजाफा होगा, जैसे 7वें वेतन आयोग के लागू होने पर हुआ था। कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन में बढ़ोतरी के लिए एक्रोयड फॉर्मूले का उपयोग किया जाएगा। डॉ वालेस एक्रोयड ने यह फॉर्मूला पेश किया था, जिसे जीवन के न्यूनतम लागत तय करने के लिए डिजाइन किया गया था। इस फॉर्मूले में यह बताया गया था कि एवरेज कर्मचारियों की पोषण संबंधी जरूरतों के आधार पर सैलरी का कैलकुलेशन किया जाना चाहिए। इस फॉर्मूले को बनाते वक्त भोजन, कपड़ा और मकान जैसी कर्मचारियों की जरूरतों को ध्यान में रखा गया था।

इस फॉर्मूले का उपयोग करते हुए 7वें वेतन आयोग के तहत भी कर्मचारियों की सैलरी में इजाफा किया गया था। अनुमान है कि 8वें वेतन आयोग के लागू होते ही कर्मचारियों की सैलरी में बंपर उछाल देखने को मिलेगी। बेसिक सैलरी में करीब 3 गुना बढ़ोतरी हो सकती है, जो एक्रोयड फॉर्मूला के तहत संभव होगा। अगर ये फॉर्मूला 8वां वेतन आयोग के तहत भी यूज किया जाता है तो न्यूनतम बेसिक सैलरी 18000 रुपये से बढ़कर 51480 रुपये तक हो सकती है। वहीं पेंशन 9000 रुपये से बढ़कर 25740 रुपये हो जाएगी।

बाढ़ और सुखाड़ की दोहरी मार झेल रहे हैं जिले के किसान, नहीं मिल रही मदद

- गंगा का जलस्तर बढ़ने से डूबी गरमा सब्जी और मक्का की फसल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के किसानों पर इस वर्ष प्राकृतिक आपदाओं की दोहरी मार पड़ी है। एक ओर गंगा नदी के किनारे बसे तटीय इलाकों में जलस्तर बढ़ने से बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं, जिससे सैकड़ों एकड़ में लगी गरमा सब्जी और मक्के की फसल जलमग्न होकर बर्बाद हो गई है। वहीं दूसरी ओर जिले के दक्षिणी क्षेत्रों में लगातार बारिश नहीं होने के कारण सुखाड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे धान की रोपनी का कार्य बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इससे किसानों के चेहरे पर मायूसी छा गई है। बक्सर जिले के गंगावर्ती क्षेत्र जैसे कि, ब्रह्मपुर, चौसा, सिमरी और चक्की के गांवों में गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। इससे खेतों में पानी भर जाने के कारण सब्जियों की फसल जैसे परवल, भिंडी, करैला, लौकी आदि के साथ ही मक्के की फसल नष्ट होने के कगार पर है। किसानों का कहना है कि उन्होंने बड़ी मेहनत और कर्ज लेकर खेती की थी, लेकिन अब सारी मेहनत पानी में बह गई है। दूसरी ओर, जिले के दक्षिणी और मध्यवर्ती इलाकों जैसे राजपुर, डुमरांव, केसठ, सिमरी, बक्सर सदर, चौगाईं व नावानगर में मानसून की बेरुखी ने किसानों को चिंतित कर रखा है। जुलाई का चौथा सप्ताह चल रहा है, लेकिन अब तक पर्याप्त बारिश नहीं हुई है, जिससे धान की रोपनी बुरी तरह से प्रभावित हुई है। खेतों में दरारें पड़ चुकी हैं और नहरों-पइनों में भी पानी की उपलब्धता नहीं है। सिंचाई के वैकल्पिक साधनों की कमी और डीजल की बढ़ती कीमतों ने किसानों की परेशानी और बढ़ा दी है।

कई किसान संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में फसल क्षति का आकलन कर मुआवजा प्रदान किया जाए, जबकि सूखाग्रस्त इलाकों में डीजल अनुदान योजना को शीघ्र लागू किया जाए। जिला कृषि विभाग ने भी इस दोहरी आपदा को स्वीकारते हुए कहा है कि स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है।

नहर में पानी नहीं, किसानों ने दिया आंदोलन का अल्टीमेटम

बक्सर । सोन नहर के अंतिम टेल तक पानी नहीं पहुंचने से कोचाढ़ी सहित दर्जनों गांवों के किसानों में आक्रोश है। खेतों में धान की रोपाई का पीक समय चल रहा है, मगर नहर में पानी नहीं रहने से किसानों की उम्मीदें टूटने लगी हैं। नहर में पानी नहीं छोड़े जाने को लेकर किसानों ने दो दिनों का अल्टीमेटम देते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। कोचाढ़ी के किसान व राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष मीर हमजा खान ने बताया कि वर्तमान समय में धान की रोपाई के लिए किसानों को सिंचाई की सख्त जरूरत है। लेकिन, नहर में पानी न आने से कोचाढ़ी, शुक्रवालिया, बेचनपुरवा, सरेंजा जैसे दर्जनों गांवों में अब तक रोपाई शुरू नहीं हो सकी है। नहर में पानी छोड़वाने के लिए कई बार अधिकारियों से गुहार लगाई गई, लेकिन अब तक समाधान नहीं मिला। स्थानीय किसान हदीस मियां, समराज सिंह, चंदन सिंह, छोटे लाल सिंह, हरेराम सिंह, ध्रुप राय, डॉ. विजय राय, मुखिया विनोद नट और पूर्व मुखिया साहाबु नट सहित दर्जनों ग्रामीणों ने प्रशासन को दो दिनों का समय देते हुए चेतावनी दी कि यदि नहर में पानी नहीं छोड़ा गया, तो वे धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। सिंचाई संकट से धान की पूरी फसल चौपट हो सकती है।

एक नजर

दरवाजे पर खड़ी स्कॉर्पियों उड़ा ले गए चोर, केस दर्ज, राजपुर के तियरा से टूटी हालत में बरामद

बक्सर। राजपुर थाना क्षेत्र के महावीर स्थान से मंगलवार की देर रात कुछ अज्ञात चोरों द्वारा दरवाजे पर खड़ी एक स्कार्पियो को उड़ा दिया। सुबह जानकारी मिलने पर वाहन मालिक हीरा लाल यादव ने थाने में चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इधर, प्राथमिकी के कुछ घंटों बाद चोरी गई स्कार्पियो राजपुर थाना क्षेत्र के तियरा से बरामद कर लिया गया। हीरा यादव ने बताया कि वह प्रत्येक दिन की तरह अपनी स्कार्पियो को चौसा-मोहनिया मुख्य मार्ग स्थित अपने दरवाजे के सामने खड़ा कर घर चले गए। देर रात कुछ अज्ञात अपराधियों ने मौका पाकर वाहन को उड़ा लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे कुछ सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है ताकि चोरों की पहचान हो सके।इसी बीच, बुधवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि एक अज्ञात स्कॉर्पियों तियरा गांव के समीप खड़ी है जिसका गुल्ला टूटा हुआ है। इससे जाहिर होता है। स्कॉर्पियों का गुल्ला टूटने से चोर वाहन को छोड़ भाग गए हो। पुलिस ने बरामद साक्ष्यों को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।थानाध्यक्ष ज्ञानप्रकाश ने बताया कि मामले में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वाहन की बरामदगी व अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

संजय पांडेय बने बक्सर जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष, कार्यकताओं ने दी बधाई

बक्सर। बिहार प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा बक्सर के कांग्रेस नेता संजय कुमार पांडेय को बक्सर जिला किसान कांग्रेस का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इसकी घोषणा होते ही जिले में कांग्रेस कार्यकताओं और किसान संगठनों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस नियुक्ति पर जिला कांग्रेस कमिटी ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष को शुभकामनाएं दी हैं। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने संजय पांडेय को बधाई देते हुए आशा जताई कि वह किसानों की समस्याओं को लेकर हमेशा संघर्ष करते रहेंगे और सिंचाई, मुआवजा व फसल बीमा जैसे मुद्दों पर आवाज बुलंद करेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सदस्य डॉ. प्रमोद ओझा ने इसे किसानों के हित में एक सकारात्मक पहल बताया। संजय पांडेय के जिलाध्यक्ष बनने पर पार्टी के कई नेताओं ने उन्हें बधाई दी, जिनमें त्रिलोकी मिश्र, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष निर्मला देवी, भोला ओझा, विनय सिंह, त्रियोगी नारायण मिश्र, अजय यादव, पप्पू दुबे, रोहित उपाध्यक्ष, भृगुनाथ तिवारी, दीपक तुरहा, बबन तुरहा और मीडिया विभाग के जिलाध्यक्ष अभय मिश्र शामिल हैं। सभी ने आशा जताई कि पांडेय के नेतृत्व में किसानों की आवाज और अधिक मजबूत होगी।

मुखिया ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का लाभ उठाने की अपील की

केसठ। सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत वर्ष 2017 से वर्ष 2025 के बीच जिन बेटियों की शादी हुई है, उनके परिजन अब इस योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं। केसठ पंचायत के मुखिया अरविंद यादव उर्फ गामा पहलवान ने लोगों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह योजना विशेष रूप से गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बन सकती है, क्योंकि सरकार इसके तहत विवाह में आर्थिक सहायता प्रदान करती है। मुखिया ने बताया कि इस योजना का उदेश्य बेटियों की शादी के समय आर्थिक बोझ को कम करना है।

शेरू सिंह की पत्नी का डर, पति की हो सकती है हत्या

- पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को भेजा पत्र
- एडीजी कुंदन कृष्ण पर हत्या कराने की आशंका

केटी न्यूज/बक्सर

पटना के पारस अस्पताल में गैंगस्टर चंदन मिश्र की हत्या करवाने वाले कुख्यात अपराधी व जिले के सिमरी थाना क्षेत्र के दुल्लहपुर गांव निवासी ओंकारनाथ उर्फ शेरू सिंह को अब इनकाउंटर का डर सताने लगा है। चंदन की हत्या के बाद पुलिस की त्वरित व सख्त कार्रवाई को देख पश्चिम बंगाल के पुरूलिया जेल में बंद शेरू सिंह ने अपनी पत्नी लकी सिंह के माध्यम से सप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से न्याय की गुहार लगवाया है। कुख्यात की पत्नी ने भेजे पत्र में जिक्र की है कि उसके पति का बिहार की पुलिस फेक इनकाउंटर करना चाहती है तथा कई संगीन मामलों में उसका नाम उछाल उसे रिमांड पर लेने के बहाने बिहार बुला फेक इनकाउंटर करना चाहती है। लकी ने अपने पत्र में चंदन मिश्र का भी जिक्र किया है और कहा है कि दोनों पहले दोस्त थे, लेकिन बाद में दोनों के बीच विवाद हो गया। लकी का कहना है कि आरा के तनिष्क शो-रूम में लूट की घटना में भी उसके पति की संलिप्तता नहीं थी, लेकिन उस मामले में भी पुलिस ने उसका नाम लिया है। लकी का कहना है कि उसका पति के अलावे कोई और इस दुनिया में नहीं है। पति की मौत के बाद वह अकेली हो जाएगी। उसने सुप्रिम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अपने पति के प्राण की रक्षा करने की गुहार लगाई है और सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि अगर किसी मामले में पुलिस को उससे पूछताछ करना है तो उसे पुरुलिया जेल में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कराया जाए और उनके पति को किसी भी हालत में बिहार न लाया जाए। उन्होंने कहा कि बिहार के किसी भी जेल में उनके पति की जान को गंभीर खतरा है।

सीएस ने मामले की जांच के लिए गठित की छह सदस्यीय टीम

सदर अस्पताल में बच्ची की मौत पर में डीएस समेत चार पर केस दर्ज

- मंगलवार को बरूणा की संजना को सदर अस्पताल में एंटी रैबिज लगाने के पांच मिनट बाद हो गई थी मौत
- विरोध में परिजनों व ग्रामीणों ने काटा था बवाल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर सदर अस्पताल की लापरवाही से बच्ची की मौत मामले में परिजनों के बयान पर सदर अस्पताल की उपाधीक्षक डॉ. नमिता सिंह समेत चार स्वास्थ्यकर्मियों पर बक्सर नगर थाने में एफआईआर दर्ज करायी गई है। यह एफआईआर बुधवार को मृतका के परिजन बिरेन्द्र यादव ने दर्ज कराय है। इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सदर अस्पताल के उपाधीक्षक समेत दो डॉक्टर व दो नर्सों पर एफआईआर दर्ज हुआ है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी गई है। ताकि परिजनों का न्याय मिल सके। वहीं मंगलवार को देर रात करीब दस बजे तक आक्रोशित परिजनों ने सदर अस्पताल के समक्ष जमकर बवाल काटा था। वहीं, दूसरी तरफ इस मामले को सिविल सर्जन डॉ. शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने गंभीरता से लिया है। बुधवार को ही उन्होंने मामले की जांच के लिए डीएस डॉ. नमिता के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम का गठन किया है। टीम की जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में सिविल सर्जन ने बताया कि बच्ची जब कुत्ता ने काटा था। तथा उसके परिजनों के मेडिकल हिस्ट्री निकाली जाएगी। इसके बाद जब बच्ची सदर अस्पताल में आएगी। उसे कौन सी दवा दी गई। कितना डोज दिया गया था। साथ ही किस डॉक्टर ने व किस नर्स ने दिया था। इसकी पूरी जांच की जाएगी। इसके लिए सदर अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरा की जांच की जाएगी।

वहीं, सीएस द्वारा टीम गठन को ले सवाल उठने लगे है। लोगों का कहना है कि जिस उपाधीक्षक के खिलाफ नगर थाने में लापरवाही का आरोप लगा एफआईआर दर्ज कराया गया है, उनके नेतृत्व में जांच टीम का गठन करना न्यायोचित नहीं है।

बता दें कि मंगलवार को बरूणा निवासी प्रदीप कुमार व रानी देवी की पुत्री संजना कुमारी को एक कुत्ते ने काट लिया था। इसके बाद उसके परिजन उसे इलाज के लिए लेकर सदर अस्पताल पहुंचे थे, जहां नर्स द्वारा उक्त मासूम को एंटी रैबिज का इंजेक्शन लगाया गया। इंजेक्शन लगाने के पांच मिनट के अंदर ही उसकी हालत तेजी से बिगड़ी तथा डॉक्टर कुछ समझ पाते इसके पहले ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के विरोध में मासूम के परिजनों, ग्रामीणों तथा स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं ने मिलकर भारी बवाल मचाया था। इस दौरान सदर अस्पताल के डॉक्टर अस्पताल छोड़ फरार हो गए थे। देखते ही देखते राजनीतिक दल के सदस्य भी वहां पहुंच गए थे। कांग्रेस नेता पंकज उपाध्याय ने जमकर बवाल काटा था। वह लगातार दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए थे।

बाद में बक्सर एसडीएम अविनाश कुमार के आश्वासन के बाद आक्रोशित लोगों शांत हुए। लोगों की मुख्य मांग थी कि इस मामले में दोषी डॉक्टरों तथा अन्य चिकित्साकर्मियों पर हत्या का मुकदमा 24 घंटे में दर्ज कराया जाए। एसडीएम ने उन्हें आश्वत किया था कि बुधवार को एफआईआर दर्ज कराया जाएगा। इस दौरान सदर अस्पताल में अफरा तफरी मची रही। गौरतलब हो कि इसके पहले भी कई बार सदर अस्पताल में मरीजों के इलाज में लापरवाही के आरोप लगते रहे है। अक्सर अस्पताल से डॉक्टर मिले है। कार्रवाई भी हुई थी। पर डॉक्टर बाज नहीं आ रहे थे। लेकिन इसके पहले कभी भी डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं हुआ था। एफआईआर दर्ज होने के बाद अब संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों की मुश्किलें बढ़ गई है।

डुमरांव नगर के 35 वार्डों में पहुंचेगी जनता एग्रीमेंट पदयात्रा, 17 से 20 अगस्त तक चलेगा अंतिम चरण

- ग्रामीणों से मुलाकात कर स्थानीय समस्याओं को सुना और आश्वासन दिया कि करेंगे समाधान

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा द्वारा शुरू की गई जनता एग्रीमेंट पदयात्रा अब अपने अंतिम चरण में पहुंचने जा रही है। 17 अगस्त से 20 अगस्त 2025 तक यह यात्रा डुमरांव नगर परिषद के सभी 35 वार्डों में आयोजित की जाएगी। इस दौरान रवि उज्जवल वार्ड-वार्ड जाकर जनता की समस्याएं सुनेंगे और उनके समाधान के लिए स्टांप पेपर पर लिखित एग्रीमेंट देंगे। इससे पहले यह पदयात्रा डुमरांव विधानसभा के सभी पंचायतों में की जा चुकी है, जहां उन्होंने सैकड़ों ग्रामीणों से मुलाकात कर स्थानीय समस्याओं को सुना और उन्हें लिखित आश्वासन दिया कि जनप्रतिनिधि बनने पर वे उन समस्याओं को प्राथमिकता से हल करेंगे। यह प्रयास खास इसलिए भी रहा क्योंकि हर पंचायत में की गई मांगों को विधिवत स्टांप पेपर पर दर्ज किया गया, ताकि जनता के साथ किए गए वादे सिर्फ भाषण तक सीमित न रहें।

इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रवि ने बताया कि डुमरांव नगर क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में पदयात्रा के दौरान वह घर-घर जाकर लोगों से संवाद करेंगे और जो भी समस्याएं सामने आएंगी, उन्हें नोट कर संबंधित मांगों को स्टांप पेपर पर एग्रीमेंट के रूप में देंगे।उन्होंने कहा कि यह यात्रा सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी और पारदर्शिता का प्रतीक है। उनका उद्देश्य है कि जनता और जनप्रतिनिधि के बीच भरोसे की एक मजबूत कड़ी बने, जहां जनता यह महसूस कर सके कि उनकी समस्याएं गंभीरता से ली जा रही हैं और समाधान के प्रति प्रतिबद्धता लिखित रूप में दी जा रही है। डुमरांव शहर के नागरिकों में इस यात्रा को लेकर उत्सुकता है। कई सामाजिक कार्यकर्ता और युवाओं ने इस पहल की सराहना की है और इसे लोकतंत्र की मजबूती के लिए एक सकारात्मक कदम बताया है। उनका दावा है कि जनता के विश्वास पर उतर कर दिखाएंगें। जनता भी उन पर पूरा भरोसा कर रही है। जनता के विश्वास को टूटने नहीं देंगे।

प्रतिभा सम्मान समारोह में नन्हे प्रतिभागियों ने बिखेरी चमक

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्थित पाथवेज वर्ल्ड स्कूल में सोमवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा प्रेप से लेकर कक्षा 7 तक के होनहार विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्टता के लिए मेडल व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बिहार सेंट्रल स्कूल बक्सर की डायरेक्टर उर्मिला सी एवं स्कूल की प्रिंसिपल नेहा सिंह ने संयुक्त रूप से की। मंच संचालन रिंकी वर्मा ने की।विद्यालय के डायरेक्टर इंजीनियर आर. राघवन ने संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को केवल अंक और प्रमाणपत्र के लिए नहीं, बल्कि उनकी छुपी प्रतिभा को मंच देने और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए सम्मानित किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह मेडल और सर्टिफिकेट केवल कागज या धातु के टुकड़े नहीं हैं, बल्कि एक संदेश है कि आपमें प्रतिभा है, और वह समाज की उम्मीद है। मुख्य अतिथि उर्मिला सी ने भी बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि एक श्रेष्ठ और जिम्मेदार समाज के निर्माण में योगदान देना भी है। समारोह में विभिन्न वर्गों के बच्चों को उनकी उपलब्धियों के आधार पर सम्मानित किया गया।

जानलेवा हमले मामले में चार गिरफ्तार

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने मारपीट एक मामले में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गिरफ्तार अभियुक्तों में पिता-पुत्र भी शामिल है। प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार ने बताया कि डुमरांव के निमेज टोला निवासी सोनू कुमार पिता मुन्ना प्रसाद पर वर्ष 2023 में जानलेवा हमला किया गया था। इस मामले में उसने चेंगन प्रसाद कसेरा व राहुल कुमार के अलावे समेत चार को गिरफ्तार किया गया।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमराँव

श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक, रूद्राभिषेक समेत वैदिक विधान से की अपने अराध्य महादेव की पूजा

सावन शिवरात्रि पर शिवमय हुए शिवालय, बोल बम के जयघोष से गूंजा मंदिर

केटी न्यूज/बक्सर

पवित्र सावन मास के शिवरात्रि पर बुधवार को शिवालयों में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा था। अहले सुबह से दोहपर तक शिवालयों में शिवभक्त उमड़े रहे। इस दौरान शिवभक्तों ने रूद्राभिषेक, जलाभिषेक, पार्थिव पूजन सहित कई अन्य तरीकों से अपने अराध्य देवाधिदेव महादेव की पूजा अर्चना की तथा उनके प्रिय भांग, धतूर, बेल पत्र, शमी पत्र, दुब, भस्म, अष्टगंध आदि अर्पित किए। सावन की शिवरात्रि पर सबसे अधिक भीड़ ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिव मंदिर में उमड़ा था। एक अनुमान के मुताबिक यहां 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने शिवरात्रि पर जलाभिषेक किया है। बता दें कि बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को मनोकामना शिवमंदिर के रूप में जाना जाता है। जिस कारण यहां पूरे सावन शिवभक्तों की आस्था देखते ही बनती है। शिवभक्तों की यह आस्था शिवरात्रि पर भी देखने को मिली।

इस दौरान मंदिर प्रबंधन के अलावे स्थानीय प्रशासन मुश्तैद रहा तथा शिवभक्तों की सुविधा के लिए कई एहतियात बरते गए थे। मंदिर के प्रवेश व निकास द्वार पर सुरक्षा कर्मी मौजूद थे। जबकि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ब्रह्मपुर के सभी छोरों पर ड्राप गेट बनवाए गए थे, वहीं बैरेकेडिग कर वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाया गया था, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो। इसके अलावे बक्सर में भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित रामेश्वनाथ शिव मंदिर, प्राचीन गौरीशंकर शिव मंदिर, नाथ बाबा घाट स्थित शिव मंदिर, डुमरांव के प्राचीन जंगलीनाथ शिव मंदिर, महरौरा शिव मंदिर व लंगटू महादेव शिव मंदिरों में दोपहर तक शिवभक्त जलाभिषेक के लिए उमड़े रहे। शिवभक्तों के जयघोष से परिसर गुंजायमान रहा। इसके अलावे ग्रामीण क्षेत्र के शिवालयों में भी शिवभक्तों की आस्था देखने को मिली। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सावन की शिवरात्रि पर ग्रामीण क्षेत्र के शिवालयों में जाकर जलाभिषेक किया है। ग्रामीण क्षेत्र के जिन मंदिरों में सर्वाधिक भीड़ देखने को मिली उनमें इटाढ़ी प्रखंड के चर्चित सोखा धाम, डुमरांव प्रखंड के कचईनियां स्थित कंचनेश्वर शिव मंदिर, मुगांव स्थित मुगेश्वरनाथ शिव मंदिर आदि शामिल रहे।

शिवरात्रि पर शिवभक्तों के उल्लास, उनके द्वारा लगाए जा रहे बोल बम व जयशिव के नारों से पूरे दिन माहौल भक्तिमय बना रहा। वहीं, प्रशासनिक व्यवस्था भी काबिले तारीफ रही।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

संक्षिप्त समाचार

रेलवे की हो रही बंपर कमाई, केवल 11 दिनों में करोड़ों की आय

रांची, एजेंसी। श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। दूर-दराज से रोजाना हजारों की संख्या में शिव भक्त बाबा नगरी देवघर पहुंच रहे हैं। कांवरियों व यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे की ओर से जसीडीह, देवघर और मधुपुर स्टेशन से कई मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए कई अन्य व्यवस्था भी किये गये हैं। श्रावणी मेले के दौरान रेलवे की आय में तेजी से वृद्धि दर्ज की गयी है। रेलवे से मिली जानकारी अनुसार श्रावणी मेले की दूसरी सोमवारी के बाद और मेला के 11 दिन बीत जाने के बाद यात्रियों की आवाजाही में 13।79 प्रतिशत और आय में 07।95 प्रतिशत वृद्धि हुई है। आय और यात्रियों की वृद्धि का यह आंकड़ा जसीडीह, देवघर, बासुकिनाथ स्टेशन से संबंधित है। जबकि बैद्यनाथधाम स्टेशन को होने वाली आय में कमी आयी है। श्रावणी मेले के दौरान रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार जसीडीह, देवघर, बैद्यनाथ धाम और बासुकिनाथ स्टेशन में बीते साल 11 दिनों में 4,43,975 यात्रियों का आवागमन हुआ था, जिससे रेलवे को 3,51,31,960 की आय हुई थी। उसी प्रकार इस साल 11 दिनों में इन चारों स्टेशन से 50,50,088 यात्रियों का आवागमन हुआ है, जिससे रेलवे को 3,79,25,423 की आय हुई है। इसके अलावा जसीडीह स्टेशन पर मोबाइल यूटीएस से 3847 यात्रियों ने 3,536 टिकट लिया हैं, जिससे रेलवे को 3,41,070 की आय हुई है। वहीं देवघर स्टेशन पर 1,380 यात्रियों ने 932 टिकट लिया, जिससे रेलवे को 1,38,570 की आय हुई।

रांची सदर अस्पताल की नकल करेगी उत्तर प्रदेश सरकार, 25 जुलाई को होगा मॉडल का प्रेजेंटेशन

रांची, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार रांची सदर (जिला) अस्पताल के मॉडल को प्रेजेंटेशन के माध्यम से भी देखेगी ताकि इसे वहां भी लागू किया जा सके। इसकी जानकारी देते हुए स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि वहां के मुख्य सचिव ने झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी को पत्र लिखकर प्रेजेंटेशन देने का अनुरोध किया है। राज्य के अधिकारी 25 जुलाई को वहां प्रेजेंटेशन देंगे कि यह अस्पताल राज्य का मॉडल अस्पताल कैसे बना। बता दें कि 500 बेड वाले इस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में लगभग सभी प्रकार के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। यहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए निजी विशेषज्ञ डॉक्टरों से सेवाएं ली जा रही हैं। फिलहाल वहां ओपीडी में 15 से 20 ऐसे डॉक्टर मरीजों को परामर्श दे रहे हैं। ओपीडी में मरीजों के इलाज के लिए उन्हें पैसे दिए जाते हैं। अपर मुख्य सचिव के अनुसार, अन्य राज्यों के जिला अस्पतालों में ऐसी व्यवस्था नहीं की गई है। उनके अनुसार, राज्य के सभी जिला अस्पतालों में ऐसी व्यवस्था की जाएगी ताकि सभी मरीजों का इलाज जिले में ही हो सके। उन्होंने बताया कि रामगढ़, कोडरमा और जमशेदपुर के जिला अस्पतालों में भी बेहतर काम हो रहा है। बता दें कि सोमवार को ही राज्य के अन्य 23 जिलों के सिविल सर्जनों को रांची सदर अस्पताल ले जाकर वहाँ की व्यवस्थाएं दिखाई गईं, ताकि वे वहां के मॉडल को अपने जिला अस्पताल में भी लागू कर सकें। सदर अस्पताल में दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए सिविल सर्जनों की वित्तीय शक्तियाँ बढ़ा दी गई हैं। इसके लिए सदर अस्पतालों को हर साल 75 लाख रुपये का अनटाइड फंड भी दिया जाता है।

झारखंड सरकार ने शुरू की नई पहल, 336 पंचायतों में होगी लीची की बागवानी

रांची, एजेंसी। झारखंड में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लीची की व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देने की पहल शुरू की गई है। जंगलों और सरकारी जमीनों पर लीची के पौधे लगाए जाएंगे, जिनकी देखभाल और फसल से होने वाली आय स्थानीय ग्रामीणों को दी जाएगी। इस योजना की रूपरेखा तैयार हो गई है और क्रियान्वयन भी शुरू हो गया है। बिहार के मुजफ्फरपुर की तर्ज पर झारखंड में भी लीची उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के नए अवसर पैदा होंगे। राज्य सरकार ने शुरुआत में दस जिलों के 24 से ज्यादा प्रखंडों की 336 पंचायतों का चयन किया है। इन क्षेत्रों में 110 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है और भविष्य में और जमीन जोड़ी जाएगी। मनरेगा योजना के तहत लीची के पौधे लगाए जाएँगे, जिससे ग्रामीणों को रोजगार भी मिलेगा। ये पौधे राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड से ख़रीदे जाएँगे।पिछले पाँच वर्षों में ग्रामीण विकास विभाग ने दीदी बाड़ी योजना के तहत लगभग दो करोड़ पौधे लगाए हैं। अब इस योजना के तहत लीची की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। इस पहल में, ग्रामीणों को लीची की खेती और देखभाल की जिम्मेदारी दी जाएगी। इससे न केवल उनकी आय बढ़ेगी, बल्कि वे स्थानीय स्तर पर उद्यमिता को भी बढ़ावा दे सकेंगे। सरकार प्रमाणित एजेंसियों से उच्च गुणवत्ता वाले पौधे कम दामों पर उपलब्ध कराएगी।

सदर अस्पताल के एसएनसीयू में आयी खराबी, 28 नवजात इमरजेंसी में रांची रेफर

गुमला, एजेंसी। गुमला सदर अस्पताल के एसएनसीयू (स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट) में कल मंगलवार को खराबी आ गयी, जिससे अस्पताल प्रबंधन के बीच हड़कंप मच गया। एसएनसीयू वार्ड में 28 नवजात शिशु भर्ती थे और की स्थिति नाजुक थी। बच्चों की नाजुक स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल सभी 28 शिशुओं को इमरजेंसी में रांची रिम्स रेफर कर दिया है। देर शाम करीब 7-30 बजे तक 14 शिशुओं को एंबुलेंस से रांची ले जाया गया। जबकि 14 शिशुओं को देर रात तक रांची ले जाया गया। जानकारी के अनुसार एसएनसीयू के वार्मर में इलेक्ट्रिक करंट नहीं जाने के कारण मशीन काम नहीं कर रहा था, जिसके कारण सभी बच्चों को रांची रेफर कर दिया गया है। इस संबंध में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रुद्र कुमार ने कहा कि एसएनसीयू में समय से पूर्व जन्म लिये शिशु व लो बर्थ वेट के शिशु होते है। एसएनसीयू में रखकर उनका समुचित डिवाइसों की मदद से इलाज किया जाता है। लेकिन, एसएनसीयू की बिजली सप्लाई व्यवस्था के कारण डिवाइस काम नहीं कर रहा है। इसलिए सभी बच्चों को रेफर किया गया। रेफर करने वालों में ऑक्सीजन, फोटोथेरिप व सेमसिस के बच्चे हैं, जिन्हें उक्त डिवाइस की अत्यंत आवश्यकता है।

गुमला के सिविल सर्जन डॉ शंभूनाथ चौधरी ने कहा कि बिजली सप्लाई में बाधा आने के कारण एसएनसीयू का डिवाइस काम नहीं कर रहा है। बच्चों की जान बचाने के लिए रेफर करना जरूरी था। इस

निमित सभी को रेफर कर दिया गया है। वहीं इंजीनियर से बात हो गयी है। बुधवार की सुबह सदर अस्पताल गुमला पहुंचकर उसे दुरूस्त किया जायेगा। अगले आदेश तक एसएनसीयू बंद रहेगा।

परिजनों को हुई परेशानी

इधर, एक मरीज के पिता शिवम कुमार ने कहा कि मंगलवार को अस्पताल में उसके शिशु का जन्म हुआ है। परंतु, उसे एसएनसीयू वार्ड में रखा गया था। देर शाम को पता चला कि शिशु को रांची ले जाना है। पूछने पर पता चला कि गुमला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में तकनीकी खराबी आ गयी है। इसलिए गुमला अस्पताल में शिशुओं को रखना सुरक्षित नहीं है। उन्हें तुरंत रांची भेजना होगा।

एसएनसीयू को जल्द ठीक करें प्रबंधन -शिशिर

गुमला के समाज सेवी शिशिर कुमार गुप्ता ने कहा है कि अस्पताल प्रबंधन से अनुरोध है कि एसएनसीयू की खराबी को जल्द दुरुस्त किया जाये। क्योंकि, कमजोर शिशुओं के जन्म के बाद डिवाइस में रखना जरूरी है। गुमला अस्पताल में हर दिन शिशुओं का जन्म हो रहा है। ऐसे में जरूरी है कि अस्पताल के एसएनसीयू को समय से पहले ठीक कराया जाये। ताकि शिशुओं के इलाज में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

अस्पताल आए 20 में से 1 रोगी में डेंगू के लक्षण...

जुलाई में रांची से 2 ही पॉजिटिव रोगी मिले, पर प्लेटलेट्स की मांग बढ़ गई

रांची , एजेंसी। बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा बढ़ने वाली बीमारी है डेंगू और मलेरिया। दोनों संक्रामक बीमारी हैं। चपेट में आने वाला रोगी करीब 5 से 7 दिन तक कमजोरी का शिकार हो सकता है। कई बार 10 से 12 दिन की अवधि तक भी इसका असर दिख सकता है। बरसात के कारण गली- मुहल्ले में तो जल-जमाव की समस्या बनी ही हुई है, लेकिन कई इलाकों में नालियों का भी बुरा हाल है। इन्हीं से डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। रिम्स के फिजिशियन की मानें तो पिछले करीब एक माह से वायरल रोगियों की संख्या में करीब 20 से 25त्न तक इजाफा हुआ है।

मेडिसिन के एचओडी डॉ. बी. कुमार के अनुसार, हर 20 में 1 या 2 मरीज में डेंगू के लक्षण दिखाई दे रहे हैं, लेकिन चिंता की बात यह है कि जांच कराने पर बीमारी की पुष्टि भी न के बराबर हो रही है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों की मानें तो वह भी हैरान करने वाला है... जुलाई में राजधानी रांची में केवल 2 ही रोगी में डेंगू की पुष्टि हुई है। जबकि राज्य में 7 से 8 रोगी की पहचान हुई है। वहीं, इस पूरे साल में झारखंड में 119 डेंगू पीड़ित मिले हैं।

शहर में जलजमाव और सफाई व्यवस्था की बदहाली भी बीमारी के बढ़ते खतरे को हवा दे रही है। कई इलाकों में नालियों की सफाई 10-10 दिन तक नहीं हो रही, जिससे मच्छरों का प्रजनन बढ़ रहा है और वायरल रोगों का संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ा है। डेंगू और मलेरिया जैसे रोगों के लिए यह हालात बेहद अनुकूल है। विशेषज्ञों की मानें तो सफाई व्यवस्था और जल निकासी की समस्या को जल्द नहीं सुधारा गया, तो आने वाले दिनों में डेंगू और वायरल संक्रमण का खतरा और बढ़ सकता है।

पडेंगू के लिए ही लेटलेट्स ट्रांसफ्यूज हुआ, स्पष्ट नहीं

एक ओर जहां मरीजों की जांच रिपोर्ट में डेंगू संक्रमण की पुष्टि नहीं हो रही है। दूसरी ओर, ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स की मांग बढ़ गई है। पिछले 15 दिनों में 100 से ज्यादा यूनिट प्लेटलेट्स सप्लाई की जा चुकी है। अन्य माह में अमूमन 80 से 100 यूनिट खपत होती है। हालांकि ब्लड बैंकों ने भी स्पष्ट नहीं किया कि ये प्लेटलेट्स केवल डेंगू पीड़ितों में ट्रांसफ्यूज किए जा रहे हैं।

हजारीबाग में पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन परिसर में एक हादसा हो गया। रेलवे कोचिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण स्थल पर बने गहरे गड्ढे में डूबकर वार्ड संख्या 24 के रहने वाले मुकेश राम की मौत हो गई। मृतक तीन बच्चों का पिता था। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

घटना स्थल पर निर्माण कार्य कृष्ण कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने कंपनी पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि निर्माण क्षेत्र में करीब 10 से 12 फीट गहरा गड्ढा बारिश के कारण पानी से भर गया था, लेकिन वहां कोई बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड या सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई थी। पहले भी इसी गड्ढे में एक मवेशी की डूबकर मौत हो चुकी है। दो दिन पूर्व दो छोटे बच्चे भी इस गड्ढे में गिर गए थे, जिन्हें समय रहते लोगों ने बचा लिया था।

परिजन मुआवजे की मांग को लेकर किया हंगामा : मुकेश राम की मौत के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने कंस्ट्रक्शन कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने और मृतक के परिवार को 20 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की है। लोगों का आरोप है कि हादसे के कई घंटे बाद तक न तो कंपनी का कोई अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचा और न ही कोई प्रतिक्रिया दी गई।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि उन्होंने पहले भी कंपनी को निर्माण स्थल पर सुरक्षा उपायों की मांग करते हुए शिकायत की थी, लेकिन कंपनी ने इसे नजरअंदाज करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। फिलहाल कटकमदाग थाना पुलिस और रेलवे पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद हैं और मामले की जांच कर रहे हैं।

हजारीबाग, चतरा और रामगढ़ के 8 जलाशयों में लबालब पानी, किसानों को नहीं होगी कोई परेशानी

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के किसानों पर इस बार मानसून पूरी तरह मेहरबान रहा। भारी बारिश से हजारीबाग, चतरा और रामगढ़ जिले के 8 जलाशयों में पानी का स्तर सामान्य हो गया है, जो अगले एक वर्ष तक तीनों जिलों की प्यास बुझाने के लिए पर्याप्त है। इन जलाशयों के नजदीक बसे गांव के किसानों को अभी खरीफ फसल उगाने में मदद मिलेगी। जबकि 15 अक्टूबर के बाद किसान रबी फसल के लिए जलाशयों में जमा पानी का भरपूर मात्रा में इस्तेमाल कर सकेंगे।

हजारीबाग में 5, चतरा में 2 और रामगढ़ में 1 जलाशय मौजूद हैं। इसके अलावा रामगढ़ में लपसिया, चतरा में गोलाई और हजारीबाग के पदमा प्रखंड में कुट्टीपीसी तीन वीयर मौजूद है। सभी जलाशयों की देखरेख और संचालन का कार्य जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता

कार्यालय हजारीबाग के अधीन है। जल पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता बलराम मुर्मू का कहना है आने वाले महीनों में पानी की कोई कमी नहीं होगी। कटकमदाग में गोंडा जलाशय, केरेडारी में घाघरा जलाशय, विष्णुगढ़ में जमुनिया जलाशय, टाटीझरिया में बौधा जलाशय, पदमा में लौटिया जलाशय, चतरा में हीरू जलाशय, हंटरगंज में दुलकी जलाशय और रामगढ़ के गोला में भैरवा डैम में निश्चित लेवल तक पानी जमा है, एक डैम एवं सात जलाशय में पानी पूरी तरह से लबालब है।

सबसे अधिक रामगढ़ के भैरवा डैम में 216107 हेक्टर मीटर पानी जमा है। गोंडा जलाशय में 198103 हेक्टर मीटर पानी जमा है। वहीं, घाघरा जलाशय में 85486, जमुनिया जलाशय में 21648, बौधा जलाशय में 14821, लौटिया जलाशय में 48142, हीरू जलाशय में 57196, दुलकी जलाशय में 182165 पानी जमा हो गया है। विभागीय अधिकारी बता रहे हैं सामान्य वर्षा का लाभ मिला है। जलाशयों में सामान्य रूप से पानी जमा हो पाया है। इससे किसान लाभान्वित होंगे।

बीते कई वर्षों से हो रही थी पानी की समस्या : वर्ष 2021-22 में अधिकांश जलाशयों में पानी नहीं रहने से किसानों को पटवन कार्य में काफी परेशानी हुई थी। इससे पहले भी कुछ वर्षों में जलाशयों में पानी का ठहराव नहीं हो रहा था। लेकिन, इस वर्ष सभी जलाशयों में पानी जमा होने से आस-पास के किसानों में खुशी की लहर है। किसान जरूरत के अनुसार खरीफ फसल उगाने में अपने-अपने खेतों का पटवन कर रहे हैं। विभाग की ओर से किसानों को हर संभव मदद मिल रही है।

चतरा में पोल्ट्री फार्म की आड़ में नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

चतरा , एजेंसी। जिले में अवैध शराब माफियाओं की एक बड़ी और सोची-समझी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के कटैया गांव में पोल्ट्री फार्म की आड़ में चल रही नकली विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री पर उत्पाद विभाग और पुलिस की टीम ने छापेमारी कर बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त किया है।

यह बड़ी कार्रवाई उपायुक्त कीर्तिश्री के निर्देश पर की गई है, जिससे अवैध शराब के कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। गुप्त सूचना के आधार पर, उत्पाद विभाग की टीम ने वशिष्ठ नगर थाना पुलिस के साथ मिलकर शनिवार देर रात कटैया गांव स्थित उस पोल्ट्री फार्म पर छापेमारी की, जहाँ नकली शराब का यह गोरखधंधा चल रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम को देखकर आरोपी जंगल की ओर भागने में सफल रहे। जांच में खुलासा हुआ है कि मुन्ना साव, छोटू साव और अशोक साव नामक आरोपी मिलकर इस अवैध धंधे को अंजाम दे रहे थे। ये लोग स्पिरिट में कैरेमल (रंग) और विभिन्न प्रकार के एसेंस मिलाकर नकली शराब तैयार करते थे। चौंकाने वाली बात यह है कि इस नकली शराब को नामचीन ब्रांडेड कंपनियों की बोतलों में भरा जा रहा था, और उन पर नकली लेबल

व होलोग्राम चिपकाए जा रहे थे ताकि वे बिल्कुल असली लगे। उत्पाद विभाग की टीम ने घटना स्थल से भारी मात्रा में अवैध सामग्री बरामद की है। इसमें 598 बोतल में बंद विभिन्न कंपनियों के कुल 291 लीटर विदेशी शराब शामिल है, जो नकली बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, जार में तैयार कर रखी गई 20 लीटर नकली रंगीन शराब, 90 लीटर स्पिरिट, 8 पीएम व्हिस्की और आइकोनिक व्हाइट व्हिस्की के ब्रांडेड लेबल, नकली होलोग्राम, पैकिंग सामग्री और शराब की बॉटलिंग के लिए उपयोग होने वाले विभिन्न उपकरण भी जब्त किए गए हैं।

इस संबंध में उत्पाद अवर निरीक्षक अभिषेक आनंद ने बताया कि डीसी कीर्तिश्री को मिली गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने यह भी कहा कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है और उन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। अभिषेक आनंद ने दोहराया कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ इसी तरह की सघन छापेमारी अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा,ताकि जिले से इस प्रकार के गोरखधंधे को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

चतरा में हंगामा : वन भूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर हमला, आरोपी को छुड़ाकर ले भागे समर्थक

चतरा , एजेंसी। जिले में वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण हटाने गई वन विभाग की टीम पर कुछ बदमाशों ने अचानक हमला कर दिया। हमले में एक वनकर्मी की वर्दी फट गई, जबकि कई अन्य जवानों को गंभीर चोटें आई है। हैरत की बात यह है कि हमलावर भीड़ ने अतिक्रमण के आरोपी महेश बांडों को हथकड़ी के साथ ही जबरन छुड़ा लिया और मौके से फरार हो गए। यह घटना उस वक्त हुई जब वन विभाग की पुलिस टीम गिरफ्तार आरोपी महेश बांडों को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल लाई थी।

बताया जाता है कि जैसे ही वन विभाग की टीम अस्पताल पहुंची कि अचानक दर्जनों की संख्या में लोग लाठी-डंडे से लैस होकर महेश के समर्थक वहां पहुंच गए। उन्होंने बिना किसी चेतावनी के जवानों पर हमला बोल दिया। इस दौरान जमकर मारपीट हुई, जिसका फायदा उठाकर हमलावर आरोपी महेश बांडों को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ाकर अपने साथ ले भागे। हमले में घायल हुए वनकर्मियों का सदर अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। इस घटना से वन विभाग और स्थानीय प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। यह दर्शाता है कि वन भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले लोग कितने बेशर्म और हिंसक हो सकते हैं। इस संबंध में रेंजर कमल कुमार ने बताया, हमारी टीम वन भूमि से अतिक्रमण हटाने गई थी और हमने एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया था। लेकिन मेडिकल जांच के दौरान हम पर योजनाबद्ध तरीके से हमला किया गया और हमारे आरोपी को छुड़ा लिया गया। यह कानून-व्यवस्था को सीधी चुनौती है और हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पर्याप्त लीगल अफसर की नियुक्ति होने तक पूर्व की व्यवस्था से पास करें नक्शा

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने रांची नगर निगम को लंबित नक्शा पास करने में तेजी लाने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि है जब तक पर्याप्त लीगल अफसर की नियुक्ति नहीं होती, तब तक पूर्व की व्यवस्था से ही नक्शा पास किया जाए। एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस राजेश कुमार की अदालत ने सुनवाई के दौरान रांची नगर निगम के प्रशासक को भी तलब किया।

जिसके बाद द्वितीय पाली में निगम के प्रशासक सुशांत गौरव अदालत में हाजिर हुए। कोर्ट ने प्रशासक से पूछा की नक्शा पास करने का काम धीमा क्यों है और इसमें इतनी देरी क्यों हो रही है। प्रशासक ने अदालत को बताया कि अभी पर्याप्त लीगल अफसर की नियुक्ति नहीं हो पाई है। इस वजह से नक्शा पास करने में कठिनाई आ रही है। इस पर अदालत ने कहा ि?क जब तक पर्याप्त लीगल अफसर नियुक्त

न हो जाए, तब तक पूर्व की तरह ही नक्शा पास करें और काम में तेजी लाएं। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई चार अगस्त को निर्धारित की है।

कोर्ट ने लॉ ऑफिसर की नियुक्ति पर जल्द निर्णय लेने का दिया था निर्देश

इस मामले में पूर्व में हुई सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि नियमों के अनुसार नक्शा पास करने के तीसरे स्टेज में लीगल अफसर को कागजात की जांच कर सात दिनों में रिपोर्ट अग्रसारित की जाती थी। इस व्यवस्था को बदल कर अपर प्रशासक को जांच का जिम्मा दिया गया है।

इस पर निगम की ओर से बताया गया था कि नियम बदलने का प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन है। एसओपी के तहत नक्शा स्वीकृत लीगल अफसर को ही देखना है। इस पर कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया था कि नियम में जो बदलाव करना है, उसे जल्द करें और लॉ अफसर की नियुक्ति पर जल्द निर्णय लें। इस पर निगम की ओर से बताया गया था कि नक्शा स्वीकृत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सहायक लीगल अफसर को लीगल अफसर का प्रभार दिया गया है। 25 अप्रैल से नक्शा पास होने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस संबंध में कंफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) की ओर से जनहित याचिका दाखिल की गई है।

इधर, शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार कंपनी के महाप्रबंधक सुधीर दास को जमानत नहीं : शराब घोटाले के आरोप में जेल में बंद झारखंड राज्य बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के वित्त महाप्रबंधक सुधीर कुमार दास को अदालत ने जमानत देने से इनकार किया है। उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका पर मंगलवार को एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई पश्चात अदालत ने याचिका खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान एसीबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने जमानत का विरोध किया था। एसीबी ने सुधीर कुमार दास को 21 मई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तब से वह जेल में ही है। उसने 18 जून को जमानत की गुहार लगाते हुए याचिका दाखिल की थी।

गुमला में सब्जी विक्रेता महिलाओं का विरोध : दुकान हटाने के विरोध में समाहरणालय पहुंचीं महिलाएं, आत्मदाह का प्रयास

गुमला , एजेंसी। गुमला में सोमवार को जशपुर रोड से हटाई गई सब्जी की दुकानों को लेकर दर्जनों महिला विक्रेताओं ने समाहरणालय में विरोध प्रदर्शन किया। महिलाएं पेट्रोल लेकर पहुंची थीं और आत्मदाह का प्रयास किया।

टंगरा मार्केट में सब्जियां नहीं बिक रहीः महिलाएं : नगर परिषद ने इन महिलाओं की दुकानें जशपुर रोड से हटाकर टंगरा मार्केट में स्थानांतरित कर दिया है। महिलाओं का कहना है कि टंगरा मार्केट में उनकी सब्जियां नहीं बिक पा रही हैं। उन्होंने मांग की है कि या तो उन्हें सड़क किनारे दुकान लगाने की अनुमति दी जाए या प्रशासन उन्हें 25 हजार रुपए महीने की नौकरी दे।

सीओ के समझाने पर मामला हुआ शांत : मौके पर मौजूद लोगों ने महिलाओं को आत्मदाह से रोका। सूचना मिलते ही गुमला सीओ और महिला थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। कई घंटों तक चले हंगामे के बाद सीओ के समझाने पर महिलाएं शांत हुईं। हालांकि, उन्होंने दुकान लगाने की अनुमति की मांग बरकरार रखी है।

सुभाषितम्

नीच की नम्रता अत्यंत दुखदायी है, अंकुश, धनुष, सांप और बिल्ली झुककर वार करते हैं। - महर्षि वाल्मीकि

उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा एक बड़ा धमाका

संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेज दिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। उनके कार्यकाल को 2 साल बाकी थे। जिस आश्चर्यजनक तरीके से उनका इस्तीफा सामने आया, उसके बाद तरह-तरह की अटकलों का दौर शुरू हो गया है। धनखड़ ने अपना इस्तीफा स्वास्थ्य कारणों से देने की बात कही है। राजनीतिक हल्का में यह बात किसी को पच नहीं रही है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने जिस तरह से न्यायपालिका के खिलाफ मोर्चा खोला था, वह संसद को सर्वोपरि बता रहे थे। राष्ट्रपति और राज्यपाल को लेकर जो फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया था, उसके बाद से वह लगातार सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का विरोध कर रहे थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव वाले मामले में विपक्षी सांसदों द्वारा महाभियोग का प्रस्ताव दिया गया था, उस पर उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की थी। सांसदों के हस्ताक्षर अभी तक प्रमाणित नहीं हुए और यह मामला ठंडा बस्ते में पड़ा हुआ था। इसी बीच दिल्ली हाईकोर्ट से स्थानांतरित इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव स्वीकार करते हुए उसमें कार्रवाई आगे बढ़ा दी थी। लोकसभा और राज्यसभा के 215 सांसदों ने यशवंत वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव के खिलाफ हस्ताक्षर किए थे। दोनों सदनों में इसे स्वीकार कर लिया गया था। धनखड़ लगातार सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बोलते हुए, हर जगह कह रहे थे, संसद ही सर्वोपरि है। राष्ट्रपति ने जिन 14 मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की राय मांगी थी, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने पांच जजों की खंडपीठ गठित कर इस मामले की सुनवाई करने की अधिसूचना जारी कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों की बार वरिष्ठ अधिवक्ताओं जो भी पक्ष इस बहस में शामिल होना चाहे उसके लिए अधिसूचना जारी की है। इसको लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच की लड़ाई ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है जहां पर सरकार को भारी परेशानी हो सकती है। राजनीतिक हलके में व्याप्त चर्चा के अनुसार उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के रिश्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से पिछले कुछ समय से तनावपूर्ण थे। राज्यसभा टीवी को लेकर भी सरकार और धनखड़ के बीच में तनाव बना हुआ था। राज्यसभा में मानसून सत्र के पहले ही दिन जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर के मामले में सदन के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को, उन्होंने बोलने का मौका दिया, उसके बाद जब सदन के नेता जेपी नड्डा बोल रहे थे। नड्डा ने बोलते हुए यह कह दिया, जो वह बोल रहे हैं वही रिकॉर्ड होगा। एक तरह से नड्डा ने धनखड़ को आदेश दिया था। यह कहकर उन्होंने आसंदी के अधिकार उनके पास है, यह संदेश देने का उपक्रम किया। सदन के अंदर यह धनखड़ का एक तरह से अपमान था। यह भी कहा जा रहा है कि विपक्षी सांसदों ने इसको लेकर एतराज जताया था। इसके बाद से हलचल बढ़ी। सूत्रों के द्वारा यह भी जानकारी आ रही है कि उनका इस्तीफा दबाव बनाकर लिया गया है। इस्तीफा तैयार कराकर उनके सामने पेश किया गया था। वह हस्ताक्षर नहीं कर रहे थे, तो कोई फाइल उन्हें दिखाई गई। उसके बाद जगदीप धनखड़ ने इस्तीफे पर हस्ताक्षर किए हैं। शाम को 6 बजे तक सब कुछ सामान्य था। उसके बाद राजनीतिक घटनाक्रम बड़ी तेजी के साथ चला। सारे देश को रात 9:30 बजे पता चला कि स्वास्थ्य कारणों से जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया है। धनखड ने जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था, उससे सरकार की परेशानी बढ़ रही थी। सरकार और धनखड़ के बीच की दूरियां बढ़ती चली जा रही थी। उपराष्ट्रपति ने जिस तरह से मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने का मौका दिया, वह सत्ता पक्ष को बड़ा नागवार गुजरा। सदन के अंदर गुस्से में जेपी नड्डा ने अपनी प्रतिक्रिया दे दी थी। रही सही कसर नड्डा का यह कहना कि रिकॉर्ड में वही लिखा जाएगा, जो उन्होंने कहा है।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे। एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

आज का राशिफल

- **मेष** आज कामकाज के सिलसिले में नेतृत्व की भूमिका निभानी पड़ सकती है।
- **तुला** मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए आपको कुछ मामलों में खर्च करना पड़ सकता है।
- **वृषभ** कुछ सोच-विचार कर सकते हैं। व्यापार को लेकर भी आपको चिंता हो सकती है।
- **वृश्चिक** जरूरत से ज्यादा बोलने से बचना होगा। अन्य लोग पीठ पीछे आपकी आलोचना कर सकते हैं।
- **मिथुन** धन कम होने की चिंता सता सकती है। चीजों पर खर्च करने से बचना होगा।
- **धनु** आज आपको कार्यस्थल पर किसी महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान देना पड़ सकता है।
- **कर्क** आज अपने कामकाज या कारोबार को लेकर चिंता में थे, तो अब वह दूर हो सकती है।
- **मकर** सभी दस्तावेजों और पत्रों का जवाब देना होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां तो बढ़ेंगी।
- **सिंह** आज किसी कानूनी विवाद या दूसरे प्रकार के कोर्ट कचहरी के मामले में फंसे हुए हैं।
- **कुंभ** महत्वपूर्ण कार्य को पूरी लगन और निष्ठा के साथ करते हैं, तो लाभ जरूर प्राप्त होगा।
- **कन्या** आज अगर लंबे समय से कुछ मामले चिंता का कारण बने हुए हैं, तो उनसे थोड़ी राहत मिल सकती है।
- **मीन** परेशान थे तो अब कामकाज के मामले में आप राहत और प्रसन्नता महसूस करेंगे।

धनखड़ का इस्तीफा : भाजपा मौन, विपक्ष मुखर क्यों है?

-राधा रमण

भले ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वास्थ्य कारणों से दिया गयाउपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वीकार कर लिया हो और गृह मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी हो लेकिन इस विषय पर भाजपा की चुप्पी और विपक्ष की मुखरता कुछ ऐसे सवालों को जन्म देती है जिसका जवाब आना बाकी है।जगदीप धनखड़ ने सोमवार को देर शाम स्वास्थ्य कारणों से राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा भेज दिया था। अपने इस्तीफे में श्री धनखड़ ने लिखा कि ह्यचिकित्सकों की सलाह और स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देते हुए मैं संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के तहत तत्काल प्रभाव से उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे रहा हूं। मेरे कार्यकाल के दौरान महामहिम राष्ट्रपति से मिले सहयोग और शानदार कामकाजी संबंधों के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।मैं प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री से मिला सहयोग व समर्थन अमूल्य था। उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा। संसद के सभी सदस्यों से मुझे जो गर्मजोशी, भरोसा और स्नेह मिला उसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा और मेरी यादों में रहेगा।

धनखड़ मंगलवार को न तो संसद पहुंचे और न ही विदाई समारोह में भाग लिया। बल्कि यह कहें किपरंपरा के तहत आयोजित किये जानेवाले विदाई समारोह का आयोजन ही नहीं किया गया। 74 वर्षीय जगदीप धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। उन्होंने 10 जुलाई को एक कार्यक्रम में कहा था कि ह्यईश्वर की कृपा रही तो वह 10 अगस्त 2027 को रिटायर हो जाएंगे। इससे पहले इस साल मार्च में उन्हें स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। पिछले दिनों उत्तराखंड में एक कार्यक्रम के दौरान भी उन्हें चक्कर आ गया था। लेकिन फिलहाल वह स्वस्थ और पूरी तरह सक्रिय थे। सोमवार को भी वह दिन में संसद आये थे और राज्यसभा की कार्यवाही में बतौर सभापति सम्मिलित थे। दोपहर बाद कार्यमंत्रणा समिति की बैठक बुलाई थी लेकिन संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू और राज्यसभा के नेता सदन जयप्रकाश नड्डा के गैरहाजिर रहने के कारण बैठक मंगलवार दोपहरतक के लिए स्थगित कर दी गयी थी। वह काफी देर तक दोनों नेताओं के बैठक में आने का इंतजार करते रहे। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने यह कहकर चौंका दिया कि वह शाम साढ़े सात बजे तक सभापति के साथ थे और वह पूरी तरह ठीक और खुशमिजाज लग रहे थे। फिर अचानक क्या हो गया कि रात 9 बजे उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। अगर उपराष्ट्रपति का स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो सरकार को उनका बेहतर इलाज कराना चाहिए। वजह स्वास्थ्य नहीं कुछ और है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए।

शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत ने कहा कि जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वास्थ्य कारणों से नहीं बल्कि सत्ता के शीर्ष से टकराव की वजह से हुआ है। धनखड़ का इस्तीफा उन लोगों की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े करता है जिन्होंने उन्हें उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचाया था। विपक्ष के कई सांसदों और नेताओं ने भी धनखड़ के इस्तीफे पर सरकार से सफाई मांगी है। इस बीच, बिहार भाजपा के एक बड़बोले विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने यह कहकर कयासों को जन्म दे दिया है कि ह्यअब जबकि जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में केंद्र सरकार को पहल करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उपराष्ट्रपति पद पर नियुक्त करना चाहिए।ह्य

रात से लेकर मंगलवार को आधे दिन की खामोशी और सत्ता पक्ष के सन्नाटे के बाद दोपहर में प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ह्यएक्सपर लिखा कि ह्यश्री जगदीप धनखड़ जी को उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। मंगलवार को राज्यसभा में गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना पढ़ी गयी जिसमें उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को तुरंत प्रभाव से स्वीकार किये जाने की बात कही गयी है। देश के 72 वर्षों के संसदीय इतिहास में जगदीप धनखड़ पहले सभापति और उपराष्ट्रपति रहे हैं जिनके खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। हालांकि तकनीकी खामियों की वजह से वह खारिज हो गया था। तब विपक्ष ने उनपर पक्षपाती होने और सरकार के रिमोट से चलने का आरोप लगाया था। राजनीति की चाल, चरित्र भी अजीब है। आज वही विपक्ष जगदीप धनखड़ को ईमानदार, निष्पक्ष, काबिल और विपक्ष को सदन में संरक्षण देनेवाला बता रहा है। राज्यसभा में निर्दलीय सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल कहते हैं कि ह्यजगदीप धनखड़ राष्ट्रवादी और देशभक्त हैं। वह चाहते थे कि विपक्ष और सरकार मिलकर दुनिया में भारत की स्थिति को बेहतर बनाएं। ये उनकी खूबी थी।

राजस्थान के झुंझुनूं जिलान्तर्गत किठाना गांव में 18 मई 1951 को एक मध्यमवर्गीय जाट परिवार में जन्में जगदीप धनखड़ की विडंबना रही कि वह महज एक बार 1993 से 1998 तक बतौर कांग्रेस विधायक अपना अपना कार्यकाल पूरा कर सके। इससे पहले वह 1989 में जनता दल के टिकट पर झुंझुनूं संसदीय सीट से सांसद बने। इस दौरान प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर की सरकार में वह संसदीय कार्यमंत्री बनाए गए थे। लेकिन सरकार के अल्पमत में आ जाने के कारण देश को मध्यावधि चुनाव में जाना पड़ा। उनका राजनीतिक करियर लगभग 30 वर्षों का है। 30 जुलाई 2019 को तब के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया था जिस पद पर वह 18 जुलाई 2022 तक रहे। इस दौरान राज्य की ममता बनर्जी सरकार से उनका टकराव लगातार बना रहा। 11 अगस्त 2022 को वह देश के 14 वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित किये गए। पेशे से वकील जगदीप धनखड़ कानून के अच्छे ज्ञाता हैं। संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़ा जाना उन्हें पसंद नहीं था और सबसे पहले उन्होंने ही इस मसले को उठाया था। न्यायपालिका पर उंगली उठना उन्हें गंवारा नहीं था। तभी तो दिल्ली हाईकोर्ट के तत्कालीन जस्टिस यशवंत वर्मा के घर मिले अधजले नोटों पर उन्होंने पक्ष-विपक्ष दोनों से महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग की थी। सोमवार को विपक्षके महाभियोग प्रस्ताव को उन्होंने बिना देरी किये स्वीकार कर लिया। कयास तो यह भी है कि धनखड़ की यही जल्दबाजी उनके इस्तीफे का कारण बनीक्योंकि सरकार इसका श्रेय खुद लेना चाहती थी। बहरहाल, इस्तीफे का सच क्या है, यह तो जगदीप धनखड़ ही बताएंगे।

हुड़दंग से नहीं सच्ची शिवभक्ति से होगा कल्याण!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

सावन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर शिवरात्रि मनाई जाती है। यह दिन भगवान शिव की भव्य पूजा को समर्पित है। इस दिन महादेव केवल जल चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं। सावन शिवरात्रि पर उपवास रखना और भी शुभ होता है। इसके प्रभाव से साधक को धन लाभ, सुख-समृद्धि और यश-कीर्ति की प्राप्ति होती हैं। सावन की शिवरात्रि को शिव-पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि इस दिन की गई उपासना से प्रेम जीवन सुखमय और मनचाहा वर पाने की कामना पूर्ण होती हैं। इस साल 23 जुलाई को सावन शिवरात्रि है। इस बार शिवरात्रि पर भद्रा का साया बना हुआ है। सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 23 जुलाई, प्रातः 04:39 मिनट पर आरंभ होकर 24 जुलाई, देर रात 02:28 मिनट पर समाप्त होगी। इसलिए 23 जुलाई को ही शिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। पंचांग के अनुसार सावन शिवरात्रि पर भद्रा सुबह 05 बजकर 37 मिनट से दोपहर 03 बजकर 31 मिनट तक रहेगी। वास्तव में परम-आत्मा का नाम ही शिव है, जिसका संस्कृत अर्थ है सदा कल्याणकारी, अर्थात वो जो सभी का कल्याण करता है। शिवरात्रि व शिवजयन्ती भारत में द्वापर युग से मनाई जाती है। यह दिन हम ईश्वर के इस धरा पर अवतरण के समय की याद में मनाते हैं। शिव के अलावा ओर किसी को भी हम परम-आत्मा नहीं कहते। शिव के साथ रात शब्द इसलिए जुड़ा है क्योंकि वो अज्ञान की अँधेरी रत में इस सृष्टि पर आते हैं। जब सारा संसार, मनुष्य मात्र अज्ञान रात्रि में, अर्थात माया के वश हो जाता है, जब सभी आत्माएं 5 विकारो के प्रभाव से पतित हो जाती हैं, जब पवित्रता और शान्ति का सत्य धर्म व स्वम्‌ की आत्मिक सत्य पहचान हम भूल जाते है। सिर्फ ऐसे समय पर, हमे जगाने, समस्त मानवता के उत्थान व सम्पूर्ण विश्व में फिर से शान्ति, पवित्रता और प्रेम का सत-धर्म स्थापित करने परमात्मा एक साधारण शरीर में प्रवेश करते हैं।

भगवत गीता में यह श्लोक है जो इसे दशार्ता है :

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भव- ति भारत ।

अभ्युत्थान- मधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्‌ ॥४-७॥

परित्राणाय- साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्‌ ।

धर्मसंस्था- पनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ॥४-८ ।।परमात्मा पिता का हम बच्चों से यह वायदा है कि जब-जब धर्म की अति ग्लानि होंगी, सृष्टि पर पाप व अन्याय बढ़ जायेगा है... तब वे इस धरा पर अवतरित होंगे... अब हमने जाना है की वो एक साधारण मनुष्य तन का आधार लें, हमें सत्य ज्ञान सुनाकर, सद्गति का रास्ता दिखा, दुःखों से मुक्त कर रहे हैं। यह गायन वर्तमान समय का ही है, जबकि कलियुग के अन्त और नई सृष्टि सतयुग के संगम पर, स्वयं परमात्मा अपने वायदे अनुसार इस धरा पर अवतरित हो चुके हैं , तथा इस दुःखमय संसार (नर्क) को सुखमय संसार (स्वर्ग) में परिवर्तन करने का महान कार्य गुप्त रूप में करा रहे हैं। महाशिवरात्रि के साथ जुड़े हुए आध्यात्मिक महत्व को समझने का ये सबसे अच्छा अवसर है। शिव-लिंग परमात्मा शिव के ज्योति रूप को दशार्ता है। परमात्मा का कोई मनुष्य रूप नहीं है और ना ही उसके पास कोई शारीरिक आकार है। भगवान शिव एक सूक्ष्म, पवित्र व स्वदीप्तिमान दिव्य ज्योति पुंज हैं। इस ज्योति को एक अंडाकार रूप से दशार्या गया है। इसीलिए उन्हें ज्योर्तिलिंग के रूप में दिखाया गया है, अर्थात ज्योति का प्रतीक। वो सत्य है, कल्याणकारी हैं और सबसे सुंदर आत्मा है, तभी उन्हें सत्यम-शिवम्‌-सुंदरम कहा जाता है। वो सत-चित-आनंद स्वरूप भी है।

वास्तव में जो परम ऐश्वर्यवान हो, जिसे लोग भजते हो अर्थात जिसका स्मरण करते हो एक रचता के रूप में ,एक परमशक्ति के रूप में, एक परमपिता के रूप में, वही ईश्वर है और वही शिव है। एक मात्र वह शिव जो ब्रहमा,विष्णु और शकंर के भी रचियता है। शिव जीवन मरण से परे है। ज्योति बिन्दू स्वरूप है। वास्तव में शिव एक ऐसा शब्द है जिसके उच्चारण मात्र से परमात्मा की सुखद अनुभूति होने लगती है। शिव को कल्याणकारी तो सभी मानते है, साथ ही शिव ही सत्य है शिव ही सुन्दर है, यह भी सभी स्वीकारते है। परन्तु यदि मनुष्य को शिव का बोध हो जाए तो उसे जीवन मुक्ति का लक्ष्य प्राप्त हो सकता है। गीता में कहा गया है कि जब जब धर्म के मार्ग से लोग विचलित हो जाते है, समाज में अनाचार, पापाचार, अत्याचार ,शोषण, क्रोध, वैमनस्य, आलस्य, लोभ, अहंकार, कामुकता, माया मोह बढ जाता है, तब तब ही परमात्मा को स्वयं आकर राह भटके लोगो को सन्मार्ग पर लाने की प्रेरणा का कार्य करना पडता है। ऐसा हर पाचं हजार साल में पुनरावृत होता है। पहले सतयुग,फिर त्रेता,फिर द्वापर,फिर कलियुग और फिर संगम युग तक की यात्रा इन पांच हजार वर्षो में होती है। हांलाकि सतयुग में हर कोई पवित्र,सस्ंकारवान,चिन्तामुक्त और सुखमय होता है। परन्तु जैसे जैसे सतयुग से त्रेता और त्रेता से द्वापर तथा द्वापर से कलियुग तक का कालचक्र घूमता है। वैसे वैसे व्यक्ति रूप में मौजूद आत्मायें भी शान्त,पवित्र और सुखमय से अशान्त,दुषित और दुखमय हो जाती है। कलियुग को तो कहा ही गया है दुखों का काल। लेकिन जब कलियुग के अन्त में संगम युग से सतयुग के आगमन की घडी आती है तो यही वह समय जब परमात्मा स्वंय सतयुग की दुनिया बनाने के लिए आत्माओं को पवित्र और पावनता का स्वंय ज्ञान देते है और आत्माओं को सतयुग के काबिल बनाते है। समस्त देवी देवताओ में मात्र शिव ही ऐसे देव है जो देव के देव यानि महादेव है जिन्हे त्रिकालदर्शी भी कहा जाता है। परमात्मा शिव ही निराकारी और ज्योति स्वरूप है जिसे ज्योति बिन्दू रूप में स्वीकारा गया है। परमात्मा सर्व आत्माओं से न्यारा और प्यारा है जो देह से परे है जिसका जन्म मरण नही होता और जो परमधाम का वासी है और जो समस्त संसार का पोषक है। दुनियाभर में ज्योतिर्लिंग के रूप में परमात्मा शिव की पूजा अर्चना और साधना की जाती है। शिवलिंग को ही ज्योतिर्लिंग के रूप में परमात्मा का स्मृति स्वरूप माना गया है। संसार में सबसे पहले सोमनाथ के मन्दिर में हीरे कोहिनूर से बने शिवलिंग की स्थापना की गई थी। विभिन्न धर्मो में परमात्मा को इसी आकार रूप में मान्यता दी गई। तभी तो विश्व में न सिर्फ 12 ज्योर्तिलिगं परमात्मा के स्मृति स्वरूप में प्रसिद्ध है बल्कि हर शिवालयों में शिवलिगं प्रतिष्ठित होकर परमात्मा का भावपूर्ण स्मरण करा रहे है। वही ज्योतिरूप में धार्मिक स्थलों पर ज्योति अर्थात दीपक प्रज्जवलित कर परमात्मा के ज्योति स्वरूप की साधना की जाती है। शिव परमात्मा ऐसी परम शक्ति है, जिनसे देवताओं ने भी शक्ति प्राप्त की है। भारत के साथसाथमिश्र, यूनान, थाईलैण्ड, जापान, अमेरिका, जर्मनी, जैसे दुनियाभर के अनेक देशों ने परमात्मा शिव के अस्तित्व को स्वीकारा है। धार्मिक चित्रों में स्वंय श्रीराम,श्रीकृष्ण और शंकर भी भगवान शिव की आराधना में ध्यान मग्न दिखाये गए है।

सावन शिवरात्रि : भस्म, डमरू और त्रिनेत्रधारी शिव की अर्चना का पुण्यकाल

- योगेश कुमार गोयल

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी भक्त इस दिन भगवान शिव अथवा शिवलिंग पर जल अर्पित करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरूआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर हो रही है और यह तिथि अगले दिन यानी 24 जुलाई को अर्धरात्रि में 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं।

विशेष

और लो राजा, महंगाई कम हो गई?

रिजर्व बैंक ने महंगाई के संबंध में जो जानकारी दी है। उसके अनुसार 1990 के बाद सबसे कम महंगाई 2025 में है। रिजर्व बैंक और सरकारी रिकॉर्ड में महंगाई बड़ी तेजी के साथ कम हुई है। इसका एहसास आम आदमी को क्यों नहीं हो रहा है, यह चिंता का विषय है। बाजार में मांग घटती चली जा रही है। लोगों के पास सामान खरीदने के लिए पैसा नहीं है। सरकार सस्ती ब्याज दरों पर कर्ज देने की तैयारी कर रही है। ताकि लोग सस्ती ब्याज दर पर सामान खरीद पाएं। यही सरकार का अमृत काल है। जो हमेशा हमें सुखद अनुभव कराता है। भले वास्तविकता इसके विपरीत हो।

1947 जैसे भारत के हालात

1947 में भारत और पाकिस्तान के बीच में बटवारा हुआ था। उस समय की हिंदू महासभा और संघ परिवार को लगता था। धर्म के आधार पर पाकिस्तान बना है। वहां की सत्ता मुस्लिम के हाथ में होगी। भारत की सत्ता हिंदुओं के हाथ में होगी। भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा। अंग्रेजों ने भारत की सत्ता नेहरू और कांग्रेस को सौंप दी। उसके बाद जो हुआ, उसे सारे देश ओर दुनिया ने देखा। जगह-जगह दंगे हुए, बड़ी संख्या में लोग मारे गए। 1948 में महात्मा गांधी की हत्या हो गई। पश्चिम बंगाल दिल्ली महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में लोग दंगों में मारे गए थे। 2025 में मोदी को सत्ता से हटाने की कोशिश हो रही है। पहले सत्ता पाने की लड़ाई थी अब सत्ता बचाने की लड़ाई है। एक बार फिर धार्मिक उन्माद अपने चरम पर है। जो बड़े बूढ़े लोग जिंदा हैं। उन्हें 1947 की याद सताने लगी है। उन्होंने इसी तरह से भारत को दंगे मे झुलसते ओर एक दूसरे की हत्या करते हुए देखा था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1555: सरहिंद की लड़ाई में सिकंदर सूरी को शिकस्त देने के बाद हुमायूं दिल्ली आया. 1759: रूसी सैनिकों ने पूर्वी जर्मनी में प्रसियाई सैनिकों को शिकस्त दी. 1850: बाल गंगाधर तिलक का जन्म हुआ. 1906: प्रसिद्ध क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का जन्म हुआ. 1927: मुंबई से नियमित आकाशवाणी प्रसारण सेवा शुरू हुई. 1952: जनरल मुहम्मद नजीब ने मिस्त्र में सत्ता पर कब्जा किया. 1954: फ्रांस की नेशनल असेम्बली ने हिन्द-चीन समझौते की पुष्टि की. 1958: ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ ने चार महिलाओं को संसद के लिए मनोनीत किया. 1993: भारतीय उपग्रह इन्सेट-2- बी का कोरु, फ्रेन्च गुयाना में सफल परीक्षण. 2002: भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिलदेव को इस शताब्दी का विजडन इंडियन क्रिकेटर घोषित किया गया.

दैनिक पंचांग

23 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.18 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	09.30 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.41 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.56 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	16.12 बजे से
शुक्र	वृष में	मकर	18.17 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	20.03 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.36 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	23.07 बजे से
राहुकाल		वृष	00.47 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		मिथुन	02.45 बजे से
		कर्क	04.58 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 204 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 02.29 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 17.55 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 12.34 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 15.32 बजे तदनन्तर शकुनि 02.29 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 04' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872414 **जूलियन दिन** 2460879.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 27 **विशेष** सावन शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले सोचें

आजकल सोशल मीडिया लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर हावी हो गया है। भारत की बात करें, तो सोशल नेटवर्किंग साइट्स लोगों, खास तौर पर युवाओं के लिए नशे जैसी हो गई हैं। आलम यह है कि बहुत-से लोगों को रोज फेसबुक-ट्विटर देखे बिना नींद ही नहीं आती। दिक्कत यह है कि कई लोग इस भ्रम में होते हैं कि वे सोशल मीडिया पर कुछ भी लिख सकते हैं, किसी के बारे में कुछ भी विचार व्यक्त कर सकते हैं.यहां सब कुछ चलता है!

जरा सोचिए, व्यवहारिक दुनिया में आप कितने डिप्लोमैटिक रहते हैं। अपने बॉस या सहकर्मी के बारे में आपके मन में जो विचार आते हैं, क्या वे सभी विचार आप उनके सामने व्यक्त कर सकते हैं? नहीं ना? तो यह क्यों सोचते हैं कि सोशल मीडिया में आप वह सब कुछ लिख सकते हैं, जो आपके मन में आए?
सच तो यह है कि सोशल मीडिया पर सक्रियता अगर कुछ हद तक आपकी तरक्की की राह आसान करती है, तो कई बार आपकी गलती से यह सक्रियता तरक्की की राह में रोड़ा भी बन सकती है। सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करने से पहले उसके असर के बारे में जरूर सोच-विचार कर लें। ऐसा कुछ पोस्ट करने का प्रयास करें, जिससे आपका करियर बेहतर होता हो, न कि ऐसा कुछ जिससे आपके करियर की गाड़ी पटरी से उतर जाए।

तस्वीरों से बचें

फेसबुक या अन्य किसी नेटवर्किंग साइट पर अपनी ऐसी कोई तस्वीर न रखें, जिससे आपकी छवि खराब होती हो। मसलन, अगर कोई टीचर है और शराब पार्टी में शामिल होने की फोटो शेयर करता है, तो इससे उसकी अपने स्टूडेंट्स के बीच छवि खराब हो सकती है।

प्लेटफॉर्म का ध्यान रखें

यह ध्यान रखें कि किस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कैसी चीज पोस्ट की जा सकती है। उदाहरण के लिए बच्चों की गतिविधि अपनी हॉबी, मंदिर जाने जैसी रोजमर्रा की जानकारी आप फेसबुक पर शेयर कर सकते हैं लेकिन लिंक्डइन जैसी प्रोफेशनल नेटवर्किंग वेबसाइट पर नहीं। लिंक्डइन पर ऐसी पर्सनल जानकारी या तस्वीरें शेयर करनी चाहिए, जिससे प्रोफेशनल तबका प्रभावित हो।

नकारात्मकता से दूर रहें

आपके सोशल मीडिया अकाउंट पर आपकी प्रोफेशनल या पर्सनल लाइफ के बारे में लोगों के मन में पॉजिटिव इमेज बननी चाहिए। आपकी पोस्ट नकारात्मकता से भरी होगी, तो आपके बारे में अच्छी राय नहीं बनेगी। इस बात पर विचार करें कि आपके पोस्ट से ज्यादा-से-ज्यादा लोग आपसे जुड़ रहे हैं या आपसे दूर होते जा रहे हैं।

करियर में चार चांद लगा सकती है वॉटर साइंस फील्ड

वॉटर साइंस यानी जल विज्ञान अपने आपमें साइंस की एक बड़ी शाखा है। इसमें न सिर्फ वॉटर साइकिल को स्टडी किया जाता है, बल्कि रिसर्च करके अलग-अलग जगहों पर पानी से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करने के विकल्प तलाशे जाते हैं।

आज दुनिया का शायद ही ऐसा कोई देश हो, जो पानी से जुड़ी किसी समस्या से ग्रस्त न हो। ऐसे में एक वॉटर साइंटिस्ट के लिए हर जगह संभावनाएं हैं। यह एक ऐसी फील्ड है, जो आपके करियर में चार चांद लगा सकती है।

क्या है वॉटर साइंस

वॉटर साइंस पानी की जमीन और भूमिगत प्रॉसेस से रिलेटेड साइंस है। इसमें धरती पर मौजूद पहाड़ों और मिनरल्स के साथ पानी की फिजिकल, केमिकल और बायोलॉजिकल प्रॉसेस और लिविंग ऑर्गेनिजम्स के साथ इसकी एनालिसिस शामिल है। वॉटर साइंस की स्टडी करने वाले एक्सपर्ट्स ही वॉटर साइंटिस्ट कहलाते हैं। वॉटर साइंस की फील्ड में हाइड्रोमिटिरोलॉजी, भूतल, वॉटर साइंस, हाइड्रोजिओलॉजी, ड्रेनेज बेसिन मैनेजमेंट और जल गुणवत्ता से जुड़े सब्जेक्ट्स आते हैं। इसकी कई ब्रांचेज हैं, जैसे- केमिकल वॉटर साइंस, इकोलॉजिकल वॉटर साइंस, हाइड्रोइन्फॉरमैटिक्स वॉटर साइंस।

क्या हैं फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स?

वॉटर साइंटिस्ट बनकर आप विभिन्न प्रकार के ऑर्गेनाइजेशन्स के लिए काम करके अच्छी सैलेरी पा सकते हैं। सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं में वॉटर साइंटिस्ट को अच्छे पैकेज पर एपॉइंट किया जाता है। इसके अलावा आप काउंसलर के रूप में भी काम कर सकते हैं। जैसे- सिविल इंजीनियरिंग, एनवायरमेंटल मैनेजमेंट और इवैल्यूएशन में सेवाएं उपलब्ध कराना। इसके अलावा आप नई एनालिटकल टेक्नीक्स के जरिए टीचिंग और रिसर्च भी कर सकते हैं। यूटिलिटी कंपनियां और सार्वजनिक प्राधिकरण के साथ जुड़कर जलापूर्ति और सीवरेज सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

वॉटर रिसोर्सेज डेवेलपमेंट और मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आपमें पेशेंस, डिटरमिनेशन, विस्तृत और अच्छी एनालिसिस करने की एबिलिटी होनी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही टीम वर्क की भावना और एफेक्टिव कम्युनिकेशन इस फील्ड में बने रहने के लिए जरूरी है।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

देशभर की कई यूनिवर्सिटीज वॉटर साइंस और वॉटर रिसोर्सेज जैसे सब्जेक्ट्स में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स कराती हैं। वॉटर साइंस में करियर बनाने के लिए आप इस सब्जेक्ट से बीएससी करने के बाद एमएससी और फिर पीएचडी या एमफिल कर सकते हैं।

कैसा है रेम्युनेरेशन?

अपने करियर की शुरुआत में आप 18-20 हजार रुपए तक कमा सकते हैं। इस फील्ड में एक्सपीरियंस काफी मायने रखता है।

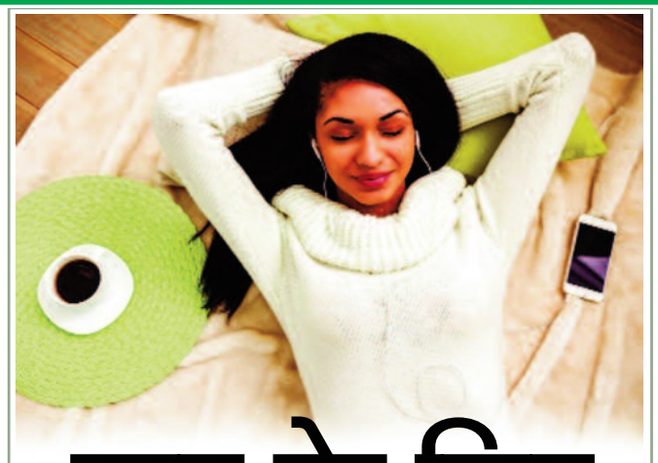

खुद के लिए समय निकालें

क्या आप उन लोगों में से हैं जिनके पास घर, काम, अपने समुदाय की तरह-तरह की जिम्मेदारियों की अच्छी खासी सूची है और आप इसे संतुलित करने की कोशिश में लगे रहते हैं। आपका यह इरादा प्रशंसनीय है कि आप एक साथ कई जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे हैं। लेकिन आपको एक अलग अप्रोच के लिए काम करने का तरीका अपनाना चाहिए। यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे है जो कि आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं

- आपको उन चीजों पर ज्यादा फोकस करना चाहिए जो आपके लिए ज्यादा मायने रखते हों। अगर आप चीजों को आसान बनाना चाहते हैं तो आपके पास एक सिंगल टास्क लिस्ट होनी चाहिए। आपको आपके कैलेंडर में सारी चीजें फीड करना चाहिए और उन्हें प्राथमिकता के हिसाब से पूरा करते रहना चाहिए। इस तरह आपका ध्यान फोकस रहेगा और आप काम में भटकेंगे नहीं। इसका एक कारण यह भी है कि प्राथमिकता तय करने से आप महत्वपूर्ण काम को पहले कम पाएंगे जिससे आप रिलेक्स भी रहेंगे।
- अगर आप सामान्य से कुछ घंटे पहले नींद से उठने की आदत डालेंगे तो आपको पूरे दिन रिलेक्स महसूस होगा। आप एक्सरसाइज कर सकते हैं, पढ़ सकते हैं और शांति से दो पल बैठ सकते हैं। साथ ही जल्दी उठने के हेल्थ बेनिफिट्स भी आपको मिलेंगे। जल्दी उठने वाले प्रोएक्टिव, चीयरफुल और डिप्रेशन से कोसों दूर रहते हैं।
- आपने अपना सौ प्रतिशत दिया लेकिन आप जिस तरह का रिजल्ट चाहते थे, नहीं आ पाया। ऐसे में निराश होना स्वाभाविक है। अब लोग उसे लेकर ही चिंतन-मनन में लगे रहते हैं और अपनी प्रोडक्टिविटी प्रभावित करते हैं। आप अपने साथ ईमानदार रहें और चीजों में सौ प्रतिशत देने के बाद उसके परिणाम को लेकर आसक्त न रहें।
- आपके पास पहले से ही खूब काम है और ऊपर से आप ने बेमतलब की जिम्मेदारी और लेकर अपना बर्डन बढ़ा लिया। अगर आप किसी भी काम में ना करने से हिचकिचाते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको अपने रूटीन में थोड़ा पर्सनल टाइम चाहिए होता है और उसमें भी आपने कुछ ऐसे टास्क ले लिए तो आपके हाथ निराशा ही हाथ लगेगी। मी टाइम लेकर अपराधबोध मत रखिए। यह आपके लिए बहुत जरूरी है।

लिंग्विस्ट के फील्ड में अवसरों की कमी नहीं

इंटरनेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट्स हों या हाई प्रोफाइल विदेशी हस्तियों की यात्रा, ऐसे इवेंट्स को सफल बनाने में एक लिंग्विस्ट की बड़ी भूमिका होती है। लिंग्विस्ट यानी वह लैंग्वेज प्रोफेशनल, जिसकी एक से ज्यादा भाषाओं पर मजबूत पकड़ हो। अगर आपको भी नई भाषाएं सीखने और उनमें निपुणता हासिल करने में दिलचस्पी है, तो आप बन सकते हैं बेहतरीन लिंग्विस्ट।

भाषा के क्षेत्र में करियर जितना अलग है, उतना ही रोचक भी। एक से ज्यादा भाषाओं की जानकारी आपको न सिर्फ दूसरे देशों और संस्कृति से जोड़ती है, बल्कि कई फील्ड्स में करियर के रास्ते भी खोलती है। आज भाषाओं के क्षेत्र में बेहतरीन प्रोफेशनल्स की काफी डिमांड है। हॉस्पिटल्स हों या बैंक्स, जांच एजेंसियां हों या पब्लिशिंग हाउसेज, हर उद्योग में लिंग्विस्ट के लिए काफी स्कोप है। अगर आपको भी भाषाओं में दिलचस्पी है, तो आप लिंग्विस्टिक्स में बना सकते हैं शानदार करियर।
लिंग्विस्टिक्स भाषा की वैज्ञानिक स्टडी है। इसमें किसी भाषा विशेष की बनावट और उसके विकास के साथ-साथ दूसरी भाषाओं के साथ उसके संबंध के बारे में भी पढ़ाया जाता है। इसमें भाषा के हर पहलू को कवर किया जाता है। इस विषय के विद्यार्थी के पास भाषा की उत्पत्ति से लेकर उसके विकास तक की जानकारी होती है।

कौन-से कोर्स?

आप किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन करने के बाद लिंग्विस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन कर सकते हैं। हालांकि ज्यादा अच्छे रेम्युनरेशन के लिए इस फील्ड में उच्च शिक्षा प्राप्त करना ज्यादा फायदेमंद होगा। सरकारी सेवाओं में भी लिंग्विस्टिक्स में एमफिल या पीएचडी जैसी डिग्री को प्राथमिकता दी जाती है।

लिंग्विस्टिक्स में पढ़ाई करने के बाद करियर ऑप्शन होते हैं

लिंग्विस्ट

आप भाषा की उत्पत्ति और विकास में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं और रिसर्च करके स्पीच रिकग्निशन में काम कर सकते हैं।

टीचर

आप किसी भी भाषा विशेष का अध्यापन कर सकते हैं। इस तरह के टीचर्स की कई विश्वविद्यालयों में काफी मांग है।

ट्रांसलेटर

इस जॉब में आपको किताबों, स्क्रिप्ट्स और लेखों का दूसरी भाषा मैं अनुवाद करना होता है।

इंटरप्रिटर

इंटरप्रिटर के तौर पर बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स या सरकारी अधिकारियों के साथ दूसरे देशों की यात्राओं पर जाने का मौका मिलता है। यहां आप दो लोगों को संवाद करने में मदद करते हैं।
यह बहुत ही टफ जॉब है क्योंकि आपको इस बात का ध्यान रखना होता है कि मूल वाक्य का अर्थ आपके इंटरप्रिटेशन में बदल न जाए। साथ ही, वाक्य बोले जाने के बाद आपको उसका अनुवाद सोचने के लिए न के बराबर समय मिलता है।

संभावनाएं

इस फील्ड में अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल्स में बतौर स्पीच थैरेपिस्ट, बैंक्स में बतौर लैंग्वेज इनपुट ऑफिसर, पब्लिशिंग हाउसेज में बतौर ट्रांसलेटर और लेक्सिकोग्राफर, पीआर इंडस्ट्री, ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री, आईटी इंडस्ट्री में वॉइस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर डेवलपर, मिलेट्री, इंटेलिजेंस और फॉरेन सर्विसेज में काम करके बेहतरीन करियर बना सकते हैं।

अप्रेजल को लेकर है टेंशन, तो जरा इन बातों पर ध्यान दें

कार्तिक एक नामी कंपनी में पिछले कई वर्षों से काम कर रहे हैं। अपने इनोवेटिव अप्रोच और परिश्रम की वजह से आज वे एक सीनियर और जिम्मेदारी भरे पद पर हैं। किसी भी प्रोजेक्ट की प्लानिंग और उस पर अमल से लेकर फाइनल आउटपुट तक वे हर कदम पर अपनी टीम के साथ लगे रहते हैं। वे चाहते, तो सारे काम अपने अधीनस्थों को सौंपकर निश्चिंत हो सकते थे लेकिन बिना खुद काम किए उन्हें तसल्ली नहीं होती। ऐसा नहीं है कि उन्हें अपनी टीम पर भरोसा नहीं है या फिर उनकी टीम कमजोर है। इसके बावजूद हर काम पर बारीकी से नजर रखते हुए आगे बढ़ना उनकी आदत में शुमार है। यही कारण है कि उनके तमाम प्रोडक्ट्स का आउटपुट प्रभावशाली होता है। हालांकि इसके लिए वे प्रशंसा की ज्यादा उम्मीद नहीं करते, क्योंकि उन्हें लगता है कि बेहतर आउटपुट से जो सुकून मिलता है, वही उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।

बाहर नहीं, भीतर देखें

आपके काम से ही आपकी पहचान होती है। कई बार आप सोचते होंगे कि मैं तो इस संस्थान में इतने वर्षों से काम कर रहा हूं, लेकिन मुझे न तो कभी अच्छा इंक्रीमेंट मिला और न ही उपयुक्त प्रमोशन। हो सकता है कि इस बात को लेकर आप दुखी और निराश भी हों। लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गंभीरता से विचार किया कि आखिर क्यों दूसरों को बेहतर इंक्रीमेंट मिल जाता है और आपको नहीं? यदि नहीं किया, तो अब जरूर इस बात पर विचार करें। दूसरों को कोसने या उनसे ईर्ष्या करने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। बेहतर यही होगा कि दूसरों की उपलब्धियों को देखकर दुखी या निराश होने के बजाए अपने भीतर देखें और अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करें।

ढूंढें सवालों के जवाब

अब तक के करियर में आपने कितनी बार किसी काम के लिए बॉस के सामने पहल की है या कोई इनोवेटिव आइडिया दिया है? क्या आप नई चुनौतियों को स्वीकार करने से बचते रहे हैं? क्या आप इसलिए बॉस के सामने पड़ने से कतराते हैं कि कहीं वे आपको कोई नया काम न सौंप दें? क्या आपने अपनी जिम्मेदारियों को बिना किसी गलती के, पूरी कुशलता के साथ डेडलाइन पर पूरा किया है? क्या आप पिछली गलतियों से सबक लेते हुए इस बात का ध्यान रखते हैं कि आगे उन्हें दोहराया न जाए? क्या आप किसी काम को करने में लंबा वक्त लेते हैं और डेडलाइन का पालन नहीं कर पाते? क्या आपके पास पेंडिंग कार्यों की लाइन लगी रहती है? क्या वाकई आपके ऊपर ज्यादा काम का बोझ है या फिर आप दूसरों को ऐसा दिखाते भर हैं? इन सब सवालों पर मंथन कर इनके उत्तर ईमानदारी से देना जरूरी है।

उत्साह भरी पहल

याद रखें, सिर्फ घड़ी देखकर मशीन की तरह काम में जुटे रहने से न तो पहचान मिलती है और न ही रिवॉर्ड। आज हमारे जीवन में टेक्नोलॉजी का दखल काफी बढ़ चुका है। इसकी वजह से स्मार्ट वर्क-स्टाइल को बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे में हम पुरानी धीमी पद्धतियों और सोच से चिपके नहीं रह सकते, बल्कि हमें भी वक्त के साथ अपनी सोच और वर्क-स्टाइल में बदलाव लाने के लिए तत्पर रहना चाहिए। यह न सोचें कि अब नई टेक्निक कैसे सीखेंगे! आप चाहेंगे, तो अपने काम को स्मार्ट तरीके से करने की हर स्किल सीख सकते हैं। हां, इसके लिए उत्सुकता और उत्साह दोनों जरूरी हैं। अपने भीतर की काहिलियत को भगाएं और आगे बढ़कर पहल करें। उत्साहित रहकर काम करेंगे, तो खुश भी रहेंगे और इसका बेहतर परिणाम भी दिखेगा।

कर्म पर करें भरोसा

अगर आप स्मार्ट और इनोवेटिव तरीके से काम करेंगे, तो उसे जरूर सराहा जाएगा। अपने और अपने विभाग के कार्यों को सामने लाने का प्रयास करें, ताकि वह कहीं अनदेखा-अनजाना न रह जाए। सामने आने वाली नई चुनौतियों को भी आगे बढ़कर स्वीकार करें और उनमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करें। इसके लिए अपनी टीम के साथ मिलकर काम करें। न तो खुद हताश हों और न ही कभी टीम को हताश होने दें।

न हों निराश

क्या आपको लगता है कि आपने तो हर तरह से बेहतर काम करने और अच्छा परिणाम देने का प्रयास किया, फिर भी उम्मीद के मुताबिक न तो प्रमोशन मिला और न इंक्रीमेंट? यदि हां, तो जरा सोचें कि क्या पहले भी आपके साथ ऐसा हुआ है? अगर पहले उम्मीद के मुताबिक या उम्मीद से ज्यादा मिलता रहा है और सिर्फ इसी बार ऐसा नहीं हुआ, तो फिर आपका निराश या हताश होना उचित नहीं है। खुद को समझाएं और जितनी जल्दी हो सके, अपने आप को व अपने काम को पहले की तरह पटरी पर ले आएं। अगर आप प्रतिक्रिया में काम को लेकर लापरवाही करेंगे या अपने व्यवहार में बेरुखी दिखाएंगे, तो संभव है कि इससे गलत संदेश निकले और आपकी छवि खराब हो। अपना उत्साह और काम के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, तो आगे निश्चित ही सकारात्मक परिणाम दिखाई देगा।

एनएसडीएल के आईपीओ का इंतजार खत्म, कब से मिलेगा दांव लगाने का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आईपीओ का इंतजार कर रहे हैं ये खबर आपके काम की हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस आईपीओ की ओपनिंग अगले हफ्ते में हो सकती है। यह आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुल सकता है। वहीं, एंकर बुक वाला हिस्सा 29 जुलाई को ओपन हो सकता है। बता दें कि एनएसडीएल को आईडीबीआईबैंक और एनएसई का सपोर्ट है। मनीकंट्रोल की खबर में सूत्र के हवाले से बताया गया है- आईपीओ पूरी तरह से ओएफएसया ऑफर फॉर सेल होगा, जिसके जरिए कंपनी लगभग 463 मिलियन डॉलर (मौजूदा मुद्रा स्तर पर 4,000 करोड़ रुपये) जुटाने की योजना बना रही है। एक अन्य सूत्र के मुताबिक कंपनी आईपीओ मूल्यांकन लगभग 1.85 अरब डॉलर (मौजूदा मुद्रा स्तर पर 16,000 करोड़ रुपये) का लक्ष्य रख रही है। हालांकि, एनएसडीएलऔर एनएसई की ओर से इस संबंध में जानकारी नहीं दी गई है।

डीआरएचपी में क्या कुछ है

कंपनी के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के 17 मई के परिशिष्ट के अनुसार, आईपीओ में 50,145,001 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है।

आईआरएफसी को 1745 करोड़ रुपये का हुआ है मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। आईआरएफसी के शेयर बुधवार को 4 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 136.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। रेल कंपनी आईआरएफसी के शेयरों में यह तेज उछाल पहली तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन का मुनाफा 10 पर्सेंट से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 208.95 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 108.05 रुपये है।

पहली तिमाही में कंपनी को 1745.69 करोड़ रुपये का प्रॉफिट- इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 10.7 पर्सेंट बढ़कर 1745.69 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 1576.83 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। जून 2025 तिमाही में कोर ऑपरेशंस से कंपनी का रेवेन्यू 2.2 पर्सेंट बढ़कर 6915 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 6765 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी की इंटरेस्ट इनकम 17 पर्सेंट से ज्यादा घटकर 1497 करोड़ रुपये रही है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 1819 करोड़ रुपये थी। जून 2025 तिमाही में लीजिंग ऑपरेशंस से कंपनी की इनकम 9.2 पर्सेंट बढ़कर 5043 करोड़ रुपये रही।

छह राज्यों में सालाना जीएसटी कर संग्रह एक लाख करोड़ से अधिक

सक्रिय करदाताओं में यूपी सबसे आगे

नईदिल्ली, एजेंसी। वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी के लागू हुए 8 साल पूरे हो गए हैं। इस दौरान सक्रिय करदाताओं की संख्या के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है, लेकिन अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखने वाले बाकी बड़े राज्यों का हिस्सा काफी कम है। खास बात है कि पंजीकृत हर पांच करदाताओं में एक महिला शामिल है।

एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, अर्थव्यवस्था में 8.4 फीसदी योगदान देने वाले यूपी में कुल 20.08 लाख या 13.2 फीसदी सक्रिय करदाता हैं।लेकिन, बाकी बड़े राज्यों का हाल इसके उलट है। तमिलनाडु अर्थव्यवस्था में 8.9 फीसदी योगदान देता है, जबकि राज्य में सक्रिय जीएसटी करदाताओं में हिस्सेदारी 7.7 फीसदी है। कर्नाटक अर्थव्यवस्था में 8.4 फीसदी योगदान देता है, जबकि सक्रिय करदाताओं का हिस्सा 6.9 फीसदी है। वहीं, तेलंगाना में सक्रिय करदाताओं की हिस्सेदारी 3.6 फीसदी और आंध्र प्रदेश में 2.8 फीसदी के स्तर पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश, बिहार और गुजरात जैसे राज्यों की कुल जीएसटी करदाताओं में हिस्सेदारी उनकी जीडीपी की तुलना में अधिक है। इससे संकेत मिलता है कि इन राज्यों में जीएसटी करदाताओं की संख्या बढ़ने की अपार संभावनाएं है।

एलएलपी कंपनियों में अधिक महिलाएं

पंजीकृत करदाताओं में से 14 फीसदी जो करदाता हैं, उन सभी में महिला सदस्य है। खासकर लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपी) और निजी लिमिटेड कंपनियों में काफी अधिक संख्या में महिलाएं हैं। प्रोपराइटर कंपनियों में 16.7 फीसदी में एक महिला सदस्य या सभी सदस्य महिला हैं। भागीदारी वाली कंपनियों में से 41.9 फीसदी में एक महिला सदस्य और 5.3 फीसदी में सभी सदस्य महिलाएं हैं। प्राइवेट लिमिटेड वाली कंपनियों में 46.8 फीसदी में एक महिला सदस्य है।

शीर्ष-5 राज्यों में हैं 50 फीसदी करदाता

इस समय कुल 1.52 करोड़ से अधिक सक्रिय जीएसटी पंजीकरण हैं। शीर्ष-5 राज्यों में कुल सक्रिय जीएसटी करदाताओं का लगभग 50 फीसदी हिस्सा है। इनका कुल राजस्व में 41 फीसदी योगदान है। जीएसटी में सामान्य करदाताओं की संख्या 1.33 करोड़ के साथ सबसे अधिक है। छह राज्यों ने एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। केवल पांच वर्षों में (वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25) सकल जीएसटी संग्रह दोगुना हो गया। औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रह लगभग 2 लाख करोड़ रुपये है।

यूपीआई लेनदेन में आक्रामक जांच से छोटे कारोबारियों पर पड़ रहा असर- रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी प्रवर्तन को संवेदनशीलता के साथ संतुलित किया जाना चाहिए, क्योंकि यूपीआई लेनदेन पर आक्रामक जांच छोटे व्यवसायों को अनौपचारिक नकदी आधारित अर्थव्यवस्था में वापस ला सकती है। कर्नाटक में छोटे व्यापारी जीएसटी नोटिस के कारण नकद लेनदेन को प्राथमिकता दे रहे हैं। अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था की दीर्घकालिक सफलता छोटे व्यापारियों को दंडित करने के बजाय उनके सशक्तिकरण पर निर्भर करेगी।

प्रोपराइटरशिप कंपनियों का हिस्सा 77.6 फीसदी- जीएसटी में पंजीकृत करदाताओं में प्रोपराइटरशिप कंपनियों का हिस्सा सबसे अधिक 77.6 फीसदी (1.17 करोड़) है। भागीदारी वाली कंपनियों का हिस्सा 9.7 फीसदी और प्राइवेट लिमिटेड का 6.8 फीसदी है। सरकारी विभागों की हिस्सेदारी 1.3 फीसदी और लिमिटेड लाइबिलिटी पार्टनरशिप का हिस्सा 1.1 फीसदी है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट

पांच साल में 70 फीसदी नई नौकरियां शहरों से आएंगी, खर्च करने होंगे 2.4 लाख करोड़ डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शहरों में आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। 2030 तक 70 प्रतिशत नई नौकरियां शहरों से ही आएंगी। यह खुलासा विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट में भारतीय शहरों को जलवायु जोखिमों से निपटने के लिए 2050 तक कम कार्बन उत्सर्जन वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 2.4 लाख करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश की आवश्यकता पर बल दिया गया है। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के साथ मिलकर तैयार की गई टुवर्डस रेसिलिएंट एंड प्रोस्पेरोउस सिटीज इन इंडिया (भारत में समुत्थानशील और समृद्ध शहरों की ओर) नामक शीर्षक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की शहरी आबादी 2050 तक दोगुनी होकर 95.1 करोड़ हो की उम्मीद है। इसके लिए 2070 तक 14.4 करोड़ से अधिक नए घरों की जरूरत होगी। इसके साथ ही इन शहरों को जलवायु चुनौतियों से भी निपटना होगा। बढ़ते शहरीकरण के चलते शहरी के तापमान में 3-4 डिग्री का इजाफा भी होगा। इसके अलावा इन क्षेत्रों में वर्षाजन्य बाढ़ की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। चेन्नई, इंदौर, नई दिल्ली, लखनऊ, सूरत और तिरुवनंतपुरम पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए 24 भारतीय शहरों का अध्ययन करने वाली नई रिपोर्ट में पाया गया है कि समय रहते कम कॉर्बन उत्सर्जन वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण से भविष्य में मौसम के प्रभावों से होने वाले अरबों डॉलर के वार्षिक नुकसान को टाला जा सकता है। उदाहरण के लिए वार्षिक वर्षाजन्य बाढ़ से होने वाले नुकसान को वर्ष 2030 तक 5 अरब डॉलर से अधिक और वर्ष 2070 तक 30 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने की संभावना है। 2050 तक अपेक्षित 50 प्रतिशत से अधिक शहरी बुनियादी ढांचे का निर्माण भी किया जाना है, इसलिए भारत के पास उन्नतशील शहरी बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर ऑगस्टे तानो कौमे ने कहा कि भारत के लिए बड़े पैमाने पर समुत्थानशील शहरों का निर्माण करना स्पष्ट रूप से अनिवार्य है। आवास, परिवहन और नगरपालिका सेवाओं सहित अधिक हरित और स्थिति अनुकूलित शहरी विकास में निवेश करके, शहरों में अत्यधिक गर्मी और शहरी बाढ़ की स्थिति को बेहतर ढंग से कम किया जा सकता है और रोजगार में वृद्धि की जा सकती है।

सिफारिशें... जो शहरी विकास में करेगी मदद

- अत्यधिक शहरी गर्मी और बाढ़ की समस्या के लिए ग्रीन बेल्ट का बेहतर विनियमन, ठंडी छतों की स्थापना व प्रभावशाली पूर्व चेतावनी प्रणालियां को विकसित करना।
- स्थिति अनुकूलित बुनियादी ढांचे और नगरपालिका सेवाओं, कुशल ऊर्जा और समुत्थानशील आवास में निवेश करना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का आधुनिकीकरण करना और शहरी परिवहन को बाढ़ प्रतिरोधी बनाना।
- निजी क्षेत्र की बेहतर भागीदारी के माध्यम से शहरी वित्त तक पहुंच में सुधार करना।

रातोंरात 28.4 अरब डॉलर की कमाई!

3 दिन में हिल सकती है एलन मस्क की कुर्सी

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कुर्सी खतरे में है। उनकी नेटवर्थ में इस साल 59.4 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इसके बावजूद वह 373 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस की कुर्सी पर बैठे हुए हैं। लेकिन जल्दी ही यह स्थिति बदल सकती है। इसकी वजह यह है कि लैरी एलिसन की नेटवर्थ तेजी से बढ़ रही है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक सॉफ्टवेयर कंपनी ओरेकल के फाउंडर एलिसन की नेटवर्थ में मंगलवार को 28.4 अरब डॉलर (करीब 24,53,29,28,20,000) की तेजी आई। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 289 अरब डॉलर पहुंच गई है। अगर इसी रफ्तार से उनकी नेटवर्थ बढ़ती रही तो वह तीन दिन में मस्क को पछाड़ सकते हैं।

मस्क और एलिसन की नेटवर्थ में अभी 84 अरब डॉलर का अंतर है। इस साल एलिसन की नेटवर्थ 96.8 अरब डॉलर बढ़ी है। 80 साल के एलिसन की दिग्गज टेक कंपनी ओरेकल में करीब 40 फीसदी हिस्सेदारी है। करीब 37 साल तक कंपनी की कमान संभालने के बाद उन्होंने 2014 में सीईओ का पद छोड़ दिया था। साथ ही वह दिसंबर 2018 से अगस्त 2022 तक टेस्ला के बोर्ड में भी रहे थे। एलिसन ने 2012 में हवाई द्वीप में एक आइलैंड 300 मिलियन डॉलर में खरीदा था और 2020 में वह स्थाई रूप से वहां चले गए।

कौन-कौन है टॉप 10 में-

अमीरों की लिस्ट में एक और उलटफेर देखने को मिला है। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग इस लिस्ट में अब चौथे नंबर पर खिसक गए हैं।

मंगलवार को उनकी नेटवर्थ में 2.79 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 248 अरब डॉलर रह गई।

भारत कई वैश्विक संकटों से उबरा

अगले डेढ़ दशक में हासिल कर लेगा 7-8 फीसदी की वृद्धि दर

नईदिल्ली, एजेंसी। हाल के वर्षों में कई वैश्विक संकटों से सफलतापूर्वक उबर चुका भारत अगले डेढ़ दशक में 7 से 8 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। डेलॉय की दक्षिण एशिया इकाई के सीईओ रोमल शेट्टी ने कहा, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.7 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। इसका मुख्य कारण सेवाओं में मजबूत प्रदर्शन, बढ़ता बाजार निवेश व कृषि उत्पादकता में सुधार है। रोमल ने कहा, कोविड महामारी, कईदेशों में तनाव और अन्य उथल-पुथल जैसे बड़े झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था जुझारू बनी हुई है और ठोस वृद्धि के लिए तैयार है। भारत की मुख्य रूप से सेवा आधारित अर्थव्यवस्था वैश्विक व्यापार चुनौतियों से काफी हद तक अप्रभावित रहती है। इसलिए, अगले 10-15 वर्षों में यह आसानी से सात-आठ फीसदी की रफ्तार से बढ़ सकती है। उन्होंने कहा, भारत में दुनिया के 50 फीसदी से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) हैं, जबकि फॉर्च्यून-2000 कंपनियों में से करीब 67 फीसदी की अभी देश में मौजूदगी नहीं है।

विदेशी निवेशकों में फिर बढ़ने लगा भारतीय बॉन्ड का क्रेज

रेपो रेट में एक और कटौती की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। लंदन में टीटी इंटरनेशनल एसेट मैनेजमेंट में उभरते बाजारों के ऋण प्रमुख जीन चार्ल्स सैम्बोर ने कहा, भारत की घरेलू ऋण की स्थिति विदेशी मुद्रा और दरों दोनों के मामले में बहुत आकर्षक बनी हुई है। इस साल और अगले वर्ष बॉन्ड पर मिलने वाले रिटर्न में गिरावट आ सकती है।

रेपो दर के अगस्त में एक बार और घटने की उम्मीद लगाए बैठे विदेशी निवेशकों में भारतीय सरकारी बॉन्ड के प्रति आकर्षण फिर बढ़ने लगा है। विदेशी निवेशकों ने पिछले एक महीने में 129 अरब रुपये के भारतीय बॉन्ड खरीदे हैं। इससे पहले चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले ढाई महीनों में 330 अरब से ज्यादा की बिकवाली की थी। सिंगापुर स्थित स्ट्रेट्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट के सीईओ मनीष भार्गव ने कहा, आरबीआई ने जून में रेपो दर में कटौती करने के साथ अपने रुख को तटस्थ कर लिया। इससे विदेशी निवेशकों ने लंबे समय तक निवेश नहीं करने का फैसला किया। लेकिन, जून में खुदरा महंगाई में भारी गिरावट को देखते हुए निवेशक एक और कटौती का अनुमान लगा रहे हैं। भार्गव ने कहा, अगर महंगाई कम रही और विकास संबंधी चिंताएं बनी रहीं, तो अगस्त में रेपो दर में 0.25 फीसदी की कटौती संभव है।

मजबूत आर्थिक बुनियाद भी मददगार- आलियांजजीआई में उभरते बाजार कर्ज की प्रमुख पोर्टफोलियो प्रबंधक एवं लंदन स्थित गिउलिया पेलेग्रिनी ने कहा, भारत की समग्र आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है।

भारत की नंबर तीन व्हिस्की ब्रांड इम्पीरियल ब्लू ब्रांड बिकने जा रहा

नईदिल्ली, एजेंसी। विदेशी शराब बनाने वाली फ्रांस की कंपनी है पर्नो रिका। इस कंपनी की तरफ से एक बड़ी खबर आई है। पर्नो रिका से भारत की इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की ब्रांड को तिलकनगर इंडस्ट्रीज खरीदने वाली है। हमारे सहयोगी ईटी ने खबर दी है कि इस सौदे की घोषणा कभी भी हो सकती है।

बोर्ड की बैठक आज ही

ईटी के मुताबिक बुधवार को ही तिलकनगर इंडस्ट्रीज के बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर्स की मीटिंग है। इस मीटिंग में फंड जुटाने के बारे में विचार किया जाएगा। तिलकनगर कंपनी मैन्शन हाउस ब्रांडी बेचती है। कंपनी ने पिछले हफ्ते बताया था कि वे इक्विटी शेयर, डिबेंचर, वारंट, प्रेफरेंस शेयर या बॉन्ड जैसे कई तरीकों से पैसा जुटा सकते हैं। तिलकनगर के शेयर की कीमत मंगलवार को 12 प्रतिशत बढ़ी थी। कल यह 469.60 रुपये पर बंद हुई थी। लेकिन आज इसके शेयरों में गिरावट दिखी। आज भी बीएसई में यह 474.50 रुपये पर खुली और ऊंचे में 684.80 रुपये तक गई। नीचे में यह 444.10 रुपये आई। दोपहर 12 बजे यह 467 रुपये पर ट्रेड हो रहा था जो कि कल के बंद भाव के मुकाबले थोड़ा कम है। वैसे पिछले पांच दिनों में इसका भाव 28 प्रतिशत बढ़ गया है।

भारत की तीसरी बड़ी व्हिस्की

पर्नो रिका की इम्पीरियल ब्लू, भारत में तीसरी सबसे बड़ी व्हिस्की ब्रांड है। लेकिन पिछले कुछ सालों में इसकी बिक्री कम हुई है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बहुत से भारतीय अब महंगे ब्रांड खरीदने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि फ्रांसीसी कंपनी पर्नो रिका एब्सोल्यूट वोडका और जेम्सन व्हिस्की जैसे मशहूर ब्रांड की मालिक है।

कितनी होती है बिक्री

इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की, 78 मिलियन केस प्रति वर्ष वाले डीलक्स व्हिस्की कैटेगरी में आती है। यह ब्रांड, साधारण और महंगे ब्रांड के बीच का है। 2024 में इसकी 22.2 मिलियन केस की बिक्री हुई थी। यह पिछले साल के मुकाबले सिर्फ 0.5 प्रतिशत ज्यादा है। इस व्हिस्की को बनाने में भारतीय अनाज और स्कॉच माल्ट का इस्तेमाल होता है। इसे 1997 में सीग्राम कंपनी ने भारत में लॉन्च किया था। 2002 में पर्नो रिकड ने सीग्राम को खरीद लिया। पिछले साल यानी 2024 में इम्पीरियल ब्लू की बाजार हिस्सेदारी 8.6 प्रतिशत थी।

दोगुना हुआ मुनाफा, शेयर में आई तूफानी तेजी, 22100 रुपये तक का मिला टारगेट

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर कंपनी डिक्सन टेक्नोलॉजीज (इंडिया) लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। डिक्सन टेक्नोलॉजीज के शेयर बुधवार को 3 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 16671.15 रुपये पर पहुंच गए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के शानदार नतीजों के बाद कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल आया है। पहली तिमाही में कंपनी को दोगुना मुनाफा हुआ है। ब्रोकरेज हाउसेज ने डिक्सन टेक्नोलॉजीज के शेयरों के लिए 22,100 रुपये तक का टारगेट दिया है। डिक्सन टेक्नोलॉजीज के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 19,149.80 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 10,613 रुपये है।

- **100 प्रतिशत बढ़ा है कंपनी का मुनाफा**- डिक्सन टेक्नोलॉजीज को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 280.02 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले कंपनी का मुनाफा 100 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में डिक्सन टेक्नोलॉजीज को 139.70 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 95 पर्सेंट बढ़कर 12,835.66 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में डिक्सन टेक्नोलॉजीज का रेवेन्यू 6,579.80 करोड़ रुपये था। जून 2025 तिमाही में कंपनी का इबिट्डा 89 पर्सेंट बढ़कर 484 करोड़ रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 256 करोड़ रुपये था।
- **कंपनी के शेयरों को 22100 रुपये तक का टारगेट**- घरेलू ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने डिक्सन टेक्नोलॉजीज पर बाय रेटिंग बनाए रखी है। ब्रोकरेज हाउस ने डिक्सन टेक्नोलॉजीज के शेयरों का टारगेट प्राइस बढ़ाकर 22,100 रुपये कर दिया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने पहले कंपनी के शेयरों को 20,500 रुपये का टारगेट दिया था। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है।

इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से जीती वनडे सीरीज, भारत की बेटियों ने बना दिया अनूठा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीतते हुए इतिहास रच दिया है। टीम इंडिया ने चेस्टर-ले-स्ट्रीट में खेले गए तीसरे वनडे मैच को 13 रन से अपने नाम किया। ऐसा पहली बार है, जब भारत की महिला टीम ने इंग्लैंड के एक ही दौरे पर सीमित ओवरों की दोनों सीरीज जीतीं। वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम ने इंग्लैंड के विरुद्ध पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 3-2 से अपने नाम की थी। इंग्लैंड के अलावा भारतीय महिला टीम विदेशी सरजमीं पर तीन देशों के खिलाफ यह कारनामा कर चुकी है। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में वनडे सीरीज 2-1, जबकि टी20 सीरीज 3-1 से अपने नाम की। उसी साल टीम इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज 2-1, जबकि टी20 सीरीज 4-0 से जीती। साल 2019 में भारत की महिला टीम ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध वनडे सीरीज 2-1 जीती। वहीं, टी20 सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ साल 2022 में उसी की सरजमीं पर वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

इस मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के शतक की मदद से पांच विकेट खोकर 318 रन बना दिए। प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 64 रन की साझेदारी हुई। प्रतिका 26, जबकि मंधाना 45 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। सलामी बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद कप्तान ने हरलीन देओल के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन जुटाए। देओल ने 65 गेंदों में 45 रन बनाए।

हरमनप्रीत कौर ने जेमिमा रोड्रिगेज के साथ चौथे विकेट के लिए 110 रन जोड़ते हुए भारत को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। जेमिमा ने 50 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कौर ने 84 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 102 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की तरफ से लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, चार्ली डीन, सोफी एक्लेस्टोन और लिंसी स्मिथ ने एक-एक विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 49.5 ओवरों में 305 रन पर सिमट गई। टीम आठ के स्कोर तक सलामी दोनों बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी थी। यहां से एम्मा लैंब ने कप्तान नतालिया-साइवर-ब्रंट के साथ तीसरे विकेट के लिए 162 रन जोड़ते हुए टीम की उम्मीदों को जगाया। लैंब ने 81 गेंदों में 68 रन बनाए, जबकि ब्रंट ने 105 गेंदों में 11 चौकों के साथ 98 रन की पारी खेली।

टेनिस में एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला बनीं वीनस, बस नवरातिलोवा से रह गईं पीछे

वॉशिंगटन, एजेंसी। वीनस से अधिक उम्र में महिला एकल का मैच केवल मार्टिना नवरातिलोवा ने जीता है। नवरातिलोवा ने आखिरी बार 2004 में 47 वर्ष की उम्र में एकल मैच में जीत हासिल की थी।

वीनस विलियम्स पेशेवर टेनिस में टूर-स्तरीय एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला बन गई हैं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस ने 45 साल की उम्र में अपने कुछ चिर परिचित सर्व और ग्राउंडस्ट्रोक का शानदार नजारा पेश किया और डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने से 22 वर्ष छोटी पीटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया। वीनस से अधिक उम्र में महिला एकल का मैच केवल मार्टिना नवरातिलोवा ने जीता है। नवरातिलोवा ने आखिरी बार 2004 में 47 वर्ष की उम्र में एकल मैच में जीत हासिल की थी। वीनस ने मैच के बाद कहा, जब मैं अभ्यास कर रही थी तो सोच रही थी कि हे भगवान, मुझे नहीं पता कि मैं अब भी अच्छी खिलाड़ी हूं या नहीं। फिर कुछ ऐसे मौके भी आते थे जब मुझे खुद पर भरोसा होता था। यहां तक कि पिछले सप्ताह भी मैं सोच रही थी कि मुझे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। इसलिए यह पूरा दिमाग का खेल है। वीनस एक साल से भी अधिक समय बाद किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं। इससे पहले उन्होंने युगल मैच जीतकर शानदार वापसी की थी। अब उन्होंने दो वर्षों में पहली बार एकल मैच जीता है।

वीनस की दिली इच्छा है कि उनकी छोटी बहन सेरेना विलियम्स भी वापसी करें। वीनस से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं अपनी टीम से कहती रहती हूं कि अगर वह यहां होती तो बहुत अच्छा होता। हमने शुरू से काफी कुछ साथ में किया है और इसलिए मुझे निश्चित तौर पर उसकी कमी खलती है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, लेकिन अगर वह वापसी करती है तो मुझे पूरा विश्वास है कि वह इस बारे में आप सबको अवगत कर देगी।

45 की उम्र में विराट कोहली के अंदाज में शादी करेगी ये महिला खिलाड़ी, कभी कहती थी सिंगल ही खुश हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। सेरेना विलियम्स की बड़ी बहन और दुनिया की पूर्व नंबर वन महिला टेनिस स्टार वीनस विलियम्स को नया प्यार मिल गया है। वह इटली के एक्टर से शादी करने जा रही हैं। उनका होने वाला दूल्हा उनसे 8 साल बड़ा है। 45 की उम्र में विराट कोहली के अंदाज में शादी करेगी ये महिला खिलाड़ी, कभी कहती थी सिंगल ही खुश हूं. कौन कहता है कि प्यार करने की उम्र होती है और जिंदगी में एक ही बार प्यार होता है? एक वक्त टेनिस की दुनिया की सबसे बड़ी महिला खिलाड़ी रहीं वीनस विलियम्स को ही ले लीजिए। उनसे छोटी सेरेना विलियम्स ने के को-फाउंडर के साथ 16 नवंबर 2017 को शादी की तो वीनस ने उस समय कहा था कि वह अकेले ही खुश हैं। इसका कारण कई बार उनका दिल टूटना था, लेकिन अब समय बदल चुका है। उन्हें अपना सच्चा प्यार मिल गया जी हां, कभी सिंगल ही खुश हूं कहने वाली वीनस विलियम्स अब मिंगल होने को तैयार हैं।

रादुकानू ने डीसी ओपन में मार्टा कोस्त्युक को हराया

एम्मा रादुकानू ने सातवीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक को 7-6 (4), 6-4 से हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। कोस्त्युक को इस तरह से लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा। उनकी हार का सिलसिला दो महीने से भी अधिक समय से चल रहा है। यह लगातार पांचवा टूर्नामेंट है जिसमें वह पहले दौर में बाहर हो गईं। उन्होंने 11 मई के बाद से कोई मैच नहीं जीता है। अमेरिकी ओपन में 2021 की चैंपियन और वर्तमान में विश्व में 46वीं रैंकिंग की खिलाड़ी रादुकानू का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा। ओसाका ने यूलिया पुतिनत्सेवा को 6-2, 7-5 से हराया। इस हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट में पुरुषों के मुक़ाबले में कैम नॉरी ने दूसरी वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी को 3-6, 6-2, 6-3 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त होल्गर रूण पीठ दर्द के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

सेरेना का हाल में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह रैकेट घुमाती दिख रही हैं। सेरेना 43 वर्ष की हैं और उन्होंने 2022 में अमेरिकी ओपन के बाद कोई मैच नहीं खेला। इसके बाद उन्होंने उस खेल से दूर जाने की घोषणा की थी। टेनिस में उन्होंने लंबे समय तक दबदबा बनाए रखा था। इस दौरान उन्होंने 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब और वीनस के साथ 14 युगल खिताब जीते थे।

राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने घोषणा की कि वे पहले राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक का अध्ययन करेंगे, जो बुधवार को संसद में पेश किया जाना है, और उसके बाद ही वे इस पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने मंगलवार ने खुलासा किया कि बीसीसीआई प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक 2025 के दायरे में आएगी जिसे संसद के मानसून सत्र में पेश किए जाने की उम्मीद है। हालांकि बीसीसीआई सरकारी धन पर निर्भर नहीं है, फिर भी विधेयक में इसके शामिल होने की व्यापक रूप से उम्मीद थी, खासकर 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारतीय क्रिकेट टीम की प्रस्तावित भागीदारी को देखते हुए। शुक्ला ने विधेयक पेश होने से पहले इस पर कोई टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा, हमें विधेयक पेश होने के बाद इसका अध्ययन करना होगा। उसके बाद ही मैं इस पर अपने विचार व्यक्त कर सकता हूं। बीसीसीआई तमिलनाडु सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1975 के तहत पंजीकृत है। बीसीसीआई भारत में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट के सभी पहलुओं की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। फिलहाल बीसीसीआई 45 मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों के अंतर्गत नहीं आता है। अगर भारतीय क्रिकेट बोर्ड इस विधेयक के दायरे में आता है, तो वह सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के अधीन भी आ सकता है। अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, राष्ट्रीय खेल महासंघों (हृस्स्न) के चुनावों और खिलाड़ियों के चयन को लेकर बार-बार होने वाले मुकदमेबाजी, एक समर्पित विवाद समाधान मंच का अभाव, महासंघों में खिलाड़ियों का कमजोर या नाममात्र का प्रतिनिधित्व, खेल नेतृत्व में लैंगिक असंतुलन और सभी महासंघों में मानक चुनावी प्रक्रिया का अभाव जैसी समस्याओं का समाधान करेगा।

सिंधू ने मियाजाकी को हराया, सात्विक-चिराग की जोड़ी भी अगले दौर में पहुंची

चांग्झू, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व की 15वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को केवल 31 मिनट में 21-13, 21-9 से हराकर दमदार शुरुआत की। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी वी सिंधू ने बुधवार को जापान की छठी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को 21-15, 8-21, 21-17 से हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतिम 16 में प्रवेश किया। सिंधू ने शानदार शुरुआत की और लगातार सात अंक लेकर पहले गेम में 13-5 की बढ़त बना ली और फिर आसानी से यह गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में मियाजाकी ने शानदार वापसी की और लगातार नौ अंक लेकर 12-8 की बढ़त बना ली। जापान की खिलाड़ी ने यह गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सिंधू ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बढ़त बनाए रखकर 62 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू का सामना दूसरी बार मियाजाकी से हो रहा था। पिछले साल स्विस ओपन में वह जापानी खिलाड़ी से हार गई थीं। इस बीच, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व की 15वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को केवल 31 मिनट में 21-13, 21-9 से हराकर दमदार शुरुआत की।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में मचा बवाल!

रिटायरमेंट से पहले जॉन सीना को मिली धमकी

डब्ल्यूडब्ल्यूई के आइकॉनिक सुपरस्टार जॉन सीना इस वक्त अपने करियर के अंतिम सफर पर हैं, लेकिन उनके रिटायरमेंट से पहले माहौल पूरी तरह से गरमा गया है. समरस्लेम 2025 में सीना जहां कोडी रोड्स के खिलाफ अनडिस्प्यूटेड डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप डिफेंड करने जा रहे हैं, वहीं स्कॉटिश रेसलर ड्रू मैकइंटायर ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है.

मैकइंटायर ने जॉन सीना को ना सिर्फ सीधे चेतावनी दी है, बल्कि उन्हें 'जेली रोल' तक कह डाला है और डब्ल्यूडब्ल्यूई टाइटल के लिए अपनी दावेदारी भी पेश की है. लोगान पॉल के पॉडकास्ट में ड्रू ने खुलकर अपनी भड़ास निकाली और कहा, मैं पांच हफ्तों से बाहर था. अब मैं नए माइंडसेट और नए ड्रू के साथ लौटा हूं. अब मैं उन बेकार के पर्सनल झगड़ों में नहीं पड़ने वाला जिनमें मैं पिछले दो साल से फंसा था. सीएम पंक और डेमियन प्रीस्ट जैसे लोग मेरा वक्त बर्बाद कर रहे थे. अब मेरा फोकस सिर्फ एक चीज पर है और वो है डब्ल्यूडब्ल्यूई टाइटल. उन्होंने आगे कहा, रैंडी ऑर्टन पर मेरी हालिया जीत ने मुझे ट्रैक पर वापस ला दिया है, लेकिन जॉन सीना वह अब एक बी- है. उसने सब गड़बड़ कर दी. अब वो 'जेली रोल' बन गया है. वह अपने बेवकूफ चेहरे पर लात खाने का हकदार है.

विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में वैष्णवी ने मचाया धमाल, टेनिस में पदक पक्का किया

बर्लिन, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ी ने मेजबान देश की सिना हरमेन को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। अब उनका सामन स्लोवाकिया की एस्ट्जर मेरी से होगा। वह नंदन बल के बाद इन खेलों में पदक हासिल करने वाली दूसरी भारतीय बनेंगी। विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में टेनिस में भारत का पदक तय हो गया है। बीस साल की वैष्णवी अडकर ने जर्मनी में चल रहे खेलों की महिला एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय खिलाड़ी ने मेजबान देश की सिना हरमेन को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। अब उनका सामन स्लोवाकिया की एस्ट्जर मेरी से होगा। वह नंदन बल के बाद इन खेलों में पदक हासिल करने वाली दूसरी भारतीय बनेंगी। नंदन ने 1979 में मेक्सिको सिटी में रजत पदक हासिल किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराया, अपना आखिरी मैच खेल रहे आंद्रे रसेल ने बनाए 36 रन

किंगस्टन, एजेंसी। एडम जम्पा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद जॉश इंग्लिश नाबाद (78) और कैमरन ग्रीन (56) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 28 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में मात्र 13 रन के स्कोर पर ग्लेन मैक्सवेल (12) के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया था। टीम को दूसरा झटका 42 रन के स्कोर पर कप्तान मिशेच मार्श (21) के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद जॉश इंग्लिश और कैमरन ग्रीन ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 131 रनों की अविजित

साझेदारी हुई।

ऑस्ट्रेलिया ने 15.2 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जॉश इंग्लिश ने 33 गेंद में पांच छक्के और सात चौकों की मदद से नाबाद 78 रनों की पारी खेली। वही कैमरन ग्रीन 32 गेंद में चार छक्के और तीन चौके लगाते हुए नाबाद 56 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से जेसेन होल्डर और अल्जारी जोसेफ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने लिए ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। ब्रैंडन किंग 36 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से (51) रनों की पारी खेली। कप्तान होप 13 गेंद में नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मध्यक्रम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर सके और एक के बाद एक विकेट गवांते चले गए। इस दौरान वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने भी आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। शिमरोन हेटमायर 10 गेंद में 14 रन, रोस्टन चेज 16 गेंद में 16 रन, रोवमन पॉवेल 14 गेंद में 12 रन और शेरफेन रदरफोर्ड (शून्य) पर पवेलियन लौट गए।

दूसरों से मांग- मांग कर खाती थी खाना, शुभमन गिल से मिलने के बाद बदली किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन गिल की टीम इंडिया टेस्ट सीरीज में भले ही 1-2 से पिछड़ी हो. मगर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वहां अपने दबदबे की कहानी पूरी तरह से लिखी है. उसने टी-20 के बाद अब वनडे सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है. भारतीय महिलाओं ने 3 वनडे की सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया. भारत की इस सीरीज जीत में उसके तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ की भूमिका सबसे बढ़कर रही. अपने नाम की ही तरह उन्होंने इंग्लैंड में काम से भी क्रांति ला दी. 21 साल की भारतीय गेंदबाज ने इंग्लैंड के 9 बल्लेबाजों को अपना निशाना बनाया. इस कामयाबी के बाद वो वनडे सीरीज की सबसे सफल गेंदबाज बन गईं.

हालांकि, इंग्लैंड में गेंद से क्रांति ला देने वाली भारतीय गेंदबाज का टीम इंडिया तक का सफर आसान नहीं रहा. टीम इंडिया की जर्सी पहनकर भारत का नाम रोशन करने से पहले उन्हें अपनी जिंदगी में हर कदम पर एक जंग लड़नी पड़ी. क्रांति गौड़ और उनके परिवार

को पेट पालने के लिए भी जूझना पड़ा.

क्रांति गौड़ का एक इंटरव्यू जारी किया है, जिसमें वो अपने जीवन के संघर्षों के बारे में खुलकर बात कर रही हैं. उसी में उन्होंने बताया कि बुरे वक्त में खाने के

लिए उन्हें दूसरों से मांगना भी पड़ा है. क्रांति गौड़ आगे कहती हैं कि पिता की नौकरी चली गई थी. उनके भाई का काम भी अच्छा नहीं चल रहा था. उन बुरे हालातों में मां के गहने बेचकर किसी तरह से घर चला. सामने आए इंटरव्यू में उन्होंने अपने क्रिकेटर बनने की जर्नी के बारे में भी बताया.

क्रांति गौड़ ने इसी साल मई में इंटरनेशनल डेब्यू श्रीलंका के खिलाफ किया था. कोलंबो में खेले उस वनडे मुकाबले में क्रांति को विकेट नहीं मिला. इसके बाद जुलाई 2025 में उन्होंने टी-20 डेब्यू इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में किया मगर उसमें भी विकेट नहीं मिला. बैक टू बैक दो डेब्यू पर नाकामी के बाद क्रांति गौड़ की मुलाकात इंग्लैंड में ही किंग से मिलने-जुलने के दौरान शुभमन गिल से हुई. क्रांति गौड़ ने शुभमन गिल से मुलाकात की अपनी तस्वीरें भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है.15 जुलाई को क्रांति गौड़ की शुभमन गिल से ये मुलाकात हुई और 16 जुलाई से उनकी किस्मत बदलनी शुरू हो गई. असर ये हुआ कि अपने इंटरनेशनल करियर के पहले दो मैचों में विकेट लेने में नाकाम रहने वाली क्रांति गौड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के 3 मैचों में 15.11 की औसत से 9 विकेट चटका दिए .

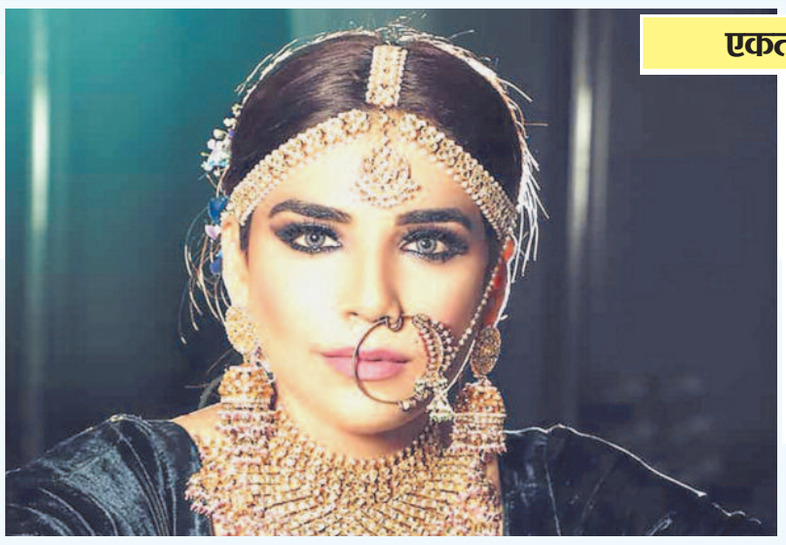

एकता कपूर संग फिर से

काम करना चाहती हैं अंजुम फाकिह

टेलीविजन अभिनेत्री अंजुम फाकिह ने फिल्म और टीवी शो निर्माता एकता कपूर के साथ दोबारा काम करने की इच्छा जताई। कुंडली भाग्य और बड़े अच्छे लगते हैं 2 जैसे एकता के लोकप्रिय शो में काम कर चुकीं अंजुम ने बताया कि वह एकता की प्रशंसक हैं। अंजुम फाकिह ने कहा कि वह हमेशा से एकता कपूर और शोभा कपूर के काम को पसंद करती हैं और उनकी फैन हैं। समाचार एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी के रीबूट की चर्चा पर कहा, मैं एकता, शोभा आंटी और बालाजी टेलीफिल्म्स की प्रशंसक हूं। अगर मुझे फिर से उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो जरूर हां कहूंगी। अंजुम नए रियलिटी शो छोरियां चली गांव में नजर आएंगी, जिसमें वह शहर की चकाचौंध छोड़कर गांव की सादगी भरी जिंदगी को अपनाती लड़की के रूप में दिखेंगी। शो के बारे में उन्होंने कहा, हम शहर की लड़कियां हैं। गांव की जिंदगी का अनुभव करने का मौका कौन छोड़ेगा? यह कॉन्सेप्ट बहुत नया और रोमांचक है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा शो पहले कभी देखा गया है। दर्शकों को यह देखना मजेदार लगेगा कि शहर की लड़कियां गांव में कैसे ढलती हैं। अंजुम ने बताया कि वह गांव में पैदा हुई थीं, लेकिन 15 साल से वहां नहीं गईं। अब एक नए गांव में जाना उनके लिए अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वहां क्या होगा, लेकिन यही उत्साह और अनिश्चितता इस शो को मजेदार बनाती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि गांव के पारंपरिक काम उनके लिए नए हैं। उन्होंने बताया, मैंने चूल्हे पर खाना बनाना या गांव के काम सिर्फ टीवी और फिल्मों में देखे हैं। मेरी दादी गर्मियों में गांव में यह सब करती थीं, लेकिन मैंने कभी कोशिश नहीं की।

बेटी के पैदा होने पर

बंदूक खरीदना चाहती थीं ऋचा

मां बनना अक्सर जिंदगी के सबसे बड़े बदलावों में से एक माना जाता है। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के लिए, यह बदलाव डर से शुरू हुआ था। हाल ही में अभिनेत्री ने मां बनने के अपने अनुभव और उसके बाद के बदलावों के बारे में खुलकर बात की है।

दुनिया के माहौल को लेकर ऋचा चिंतित थीं

यूट्यूब चैनल लिली सिंह से बातचीत में ऋचा ने माना कि बच्चे के जन्म पर वह डरी हुई थीं। उनके शुरुआती विचार चिंता से भरे थे। इन दिनों पूरी दुनिय में जो माहौल है उसे लेकर वह अपने बच्चे के बारे में चिंतित थीं। मां बनने के बाद उनके अंदर आए बदलावों को लेकर भी वह चिंतित थीं।

मां बनने पर पहली प्रतिक्रिया डर थी

ऋचा कहा मैं थोड़ी डरी हुई थी। दुनिया में बहुत कुछ गड़बड़ चल रहा है, जलवायु परिवर्तन है, नरसंहार हो रहा है। ऐसे में क्या बच्चा पैदा करना एक अच्छा विचार है? जब आप पूरी तरह से आजाद होते हैं, तो यह सब तुरंत बदल जाता है, क्योंकि आपको एक इंसान के लिए जिम्मेदार होना पड़ता है। कम से कम पहले छह महीनों तक बच्चे के लिए खाना देने की जिम्मेदारी निभाना बड़ा काम है। मां बनने को लेकर मेरी पहली प्रतिक्रिया डर थी। मैं सोच रही थी, हे भगवान, क्या मेरी जिंदगी खत्म हो गई है?

ऋचा को आया बंदूक खरीदने का ख्याल

ऋचा को जब पता चला कि उनकी बेटी होने वाली है, तो उनका डर और भी ज्यादा बढ़ गया। उन्होंने मजाक में कहा मैंने सोचा, हम भारत में रहते हैं, मुझे बंदूक खरीदनी ही होगी। लेकिन बाद में मैंने सोचा नहीं, देखते हैं। हम उसे अपनी तरह मजबूत बनाएंगे।

ऋचा और अली ने बेटी का स्वागत किया

पिछले साल 16 जुलाई को, ऋचा चड्ढा और अली फजल ने अपनी बेटी का स्वागत किया। इस जोड़े ने बच्चे के बारे में जानकारी देते हुए कहा 16.07.24 को एक बच्ची के आगमन का एलान करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है! हमारे परिवार बेहद खुश हैं, और हम अपने शुभचिंतकों को उनके प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देते हैं! ऋचा और फजल ने अपनी बेटी का नाम जुनेरा इदा फजल रखा है।

अनंत जोशी निभाएँगे अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी में लीड रोल

भारतीय सिनेमा के बदलते परिदृश्य में, जहाँ सशक्त कहानियाँ और प्रभावशाली अभिनय दर्शकों का ध्यान आकर्षित करते हैं, वहीं अभिनेता अनंत जोशी एक दमदार बायोपिक के साथ केंद्र में आ रहे हैं। अनंत जोशी, जिन्होंने हाल ही में 12वीं फेल जैसी हिट फिल्म में प्रीतम पांडे की भूमिका निभाकर खूब सराहना बटोरी, अब अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका निभाते नजर आएँगे। 12वीं फेल में उनके प्रदर्शन ने उन्हें इस बायोपिक के लिए तैयार किया। एक ऐसे किरदार को निभाना, जो शैक्षणिक और व्यक्तिगत संघर्षों से जूझ रहा हो, ने उन्हें और भी गहराई और संवेदनशीलता से भर दिया। इस फिल्म में उनका अभिनय उनकी रेंज को दर्शाता है और उन्हें योगी आदित्यनाथ जैसे जटिल किरदार को निभाने के लिए सक्षम बनाता है। अपनी इस यात्रा पर बात करते हुए अनंत जोशी ने कहा, विधु विनोद चोपड़ा के साथ काम करना किसी फिल्म स्कूल में ट्रेनिंग लेने जैसा है। हर दिन उनके साथ सेट पर रहना एक सबक था। 12वीं फेल जैसी फिल्म करने के बाद ही मुझे लीड रोल की ज़िम्मेदारी लेने की समझ आई और हिम्मत मिली। मैं खुश हूँ कि अजेय मुझे 12वीं फेल के बाद मिली। अनंत जोशी ने धीरे-धीरे अपने अभिनय की एक मजबूत नींव बनाई है। इससे पहले वे कठल और 12वीं फेल में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने वेब सीरीज़ मामला लीगल है और डॉक्युमेंट्री ज़ीरो से रीस्टार्ट में भी भाग लिया, जिसमें उनके फिल्म निर्माण के अनुभवों को दर्शाया गया है। अजय फिल्म उत्तराखंड से अजय मोहन सिंह बिष्ट के योगी आदित्यनाथ बनने और फिर एक प्रमुख राजनीतिक नेता बनने की यात्रा को दिखाएगी।

हरीश शंकर की 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ लीड रोल में नजर आएंगी राशि खन्ना

पैन इंडिया स्टार राशि खन्ना, अब आधिकारिक रूप से पवन कल्याण के साथ बहुप्रतीक्षित तेलुगु एंटरटेनर उस्ताद भगत सिंह में नजर आने वाली हैं, जिसका निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं। यह फिल्म राशी के करियर की सबसे बड़ी साउथ प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, तब से इसे लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह है।

हाल ही में मेकर्स ने राशि का पहला लुक जारी किया और सोशल मीडिया पर यह रोमांचक अपडेट साझा किया कि वह फिल्म में एक प्रमुख महिला किरदार निभा रही हैं। राशि फिल्म में श्लोका नामक एक दमदार और अहम किरदार निभा रही हैं, जो कहानी में एक नई ऊर्जा लेकर आती है और पवन कल्याण के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। यह सहयोग तेलुगु सिनेमा के लिए एक बड़ा सिनेमाई पल साबित होने वाला है। पोस्टर जारी होते ही राशि खन्ना के प्रशंसक खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं, वे बेसब्री से उन्हें पवन कल्याण के साथ स्क्रीन शेयर करते देखने का इंतज़ार कर रहे हैं। यह रहा मेकर्स द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किया गया पोस्ट, जिसका कैप्शन है- टीम उस्ताद भगतसिंह, एंजलिक राशि खन्ना का श्लोका के रूप में स्वागत करती है ? वह सेट पर अपनी गरिमा और आकर्षण लेकर आई हैं ?? शूटिंग शुरू। राशि फिलहाल हैदराबाद में पवन कल्याण के साथ शूटिंग कर रही हैं, जो इस महीने के अंत तक चलेगी।

निर्माताओं का लक्ष्य अगले शेड्यूल पर जाने से पहले अगस्त के पहले हफ्ते तक उनके हिस्से की शूटिंग पूरी कर लेना है। मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में श्रीलीला, प्रथिबन, केएस रविकुमार, रामकी, नवाब शाह, अविनाश (केजीएफ फेम), गौतमी, नागा महेश और टेम्पर वामसी भी अहम भूमिकाओं में हैं। उस्ताद भगत सिंह के अलावा, राशि खन्ना के पास आगे भी कई फिल्में हैं।

फिल्ममेकर करण जौहर ने ऑडियो पॉडकास्ट को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि ऑडियो पॉडकास्ट में भावनाएं बहुत गहराई से महसूस होती हैं, क्योंकि इसमें कैमरा नहीं होता, इसलिए लोग ज्यादा आराम से और खुलकर अपनी बातें शेयर कर पाते हैं। इस वजह से पॉडकास्ट एक बहुत ही निजी और भावुक माहौल बनाता है।

ऑडियो पॉडकास्ट पर बोले करण जौहर, इसमें कैमरा नहीं, इसलिए होती है सिर्फ दिल और दिमाग की बात

करण जौहर ने हाल ही में अपना ऑडियो पॉडकास्ट लिव योर बेस्ट लाइफ विद करण जौहर शुरू किया। इस बीच आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ये तरीका बहुत खास और करीब महसूस कराने वाला है। इसमें लोग बहुत आराम से बात करते हैं, जिससे सुनने वाले को ऐसा लगता है कि वो सीधे उनसे जुड़ा हुआ है। करण जौहर ने कहा, इसमें बस एक माइक्रोफोन, आप और होस्ट होते हैं। यह तरीका शो में आए मेहमानों को आरामदायक महसूस कराता है, उन्हें किसी का डर नहीं होता, और वह खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। जब उनसे पूछा कि क्या मेहमान ऑडियो में वीडियो की तुलना में ज्यादा खुलकर अपनी बातें कहते हैं, तो करण ने बताया कि कैमरा ना होने से उनपर कोई दबाव नहीं होता। इसलिए मेहमान ज्यादा असली और सच्चे तरीके से अपनी बात कह पाते हैं। करण जौहर ने कहा, पॉडकास्ट में एक खास तरह की नजदीकी का एहसास होता है। जब भी मैं किसी मेहमान का इंटरव्यू करता हूं, तो मुझे लगता है कि उन्हें ऐसा सुरक्षित माहौल देना बहुत जरूरी है, जहां वे आराम से अपनी बात कह सकें, बिना किसी डर या जजमेंट के और उन्हें पूरा सपोर्ट मिले। पॉडकास्ट में कैमरे का दबाव नहीं होता, बस एक माइक्रोफोन, आप और होस्ट होते हैं। करण जौहर ने कहा, जब कैमरा नहीं होता तो लोग ज्यादा आराम से अपने दिल और दिमाग की बात करते हैं। इससे एक गहरा और खास रिश्ता बनता है, जो कैमरे पर नहीं बन पाता। मुझे खुशी है कि इस शो में मैंने लोगों को उनकी असली और सच्ची पहचान में देखा।

शंकर: द रिवॉल्यूशनरी मैन, मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट: शिल्पा शिरोडकर

अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर जल्द ही एक नई वेब सीरीज शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन में दिखेंगी। उन्होंने इस सीरीज को अपने जीवन का टर्निंग पॉइंट बताया है। समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में शिल्पा शिरोडकर ने बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें न केवल व्यक्तिगत बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी बदल दिया। शिल्पा ने कहा, मैं हमेशा से आध्यात्मिक रही हूं। मुझे नई चीजें सीखना, सुनना और ज्ञान अर्जित करना पसंद है। जब यह सीरीज मेरे पास आई, तो मुझे लगा कि यह मेरे लिए जीवन बदलने वाला पल है। मैंने सोचा कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से मुझे पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों रूप से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। सीरीज में शिल्पा, महान संत और दार्शनिक आदि शंकराचार्य की मां आरंभा की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, आदि शंकराचार्य की मां का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। आदि शंकराचार्य की मां ने उनके जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह किरदार मेरे लिए बेहद मायने रखता है। इस किरदार को जीना मेरे लिए विशेष अनुभव भरा रहा। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट में काम करना उनके लिए रोजाना सीखने के अवसर जैसा रहा, इससे उन्हें काफी कुछ नया सीखने को मिला। उन्होंने बताया, राजर्षि भूपेंद्र मोदी जी जैसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व के साथ काम करना और स्क्रिप्ट पढ़ने से लेकर सेट पर बातचीत तक, हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। यह मेरे लिए विकास का शानदार मौका है। शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन आदि शंकराचार्य के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित अपकमिंग सीरीज है। मोदी स्टूडियोज और राजर्षि भूपेंद्र मोदी ने इस सीरीज का निर्माण किया है। इस सीरीज में शिल्पा शिरोडकर के साथ अभिषेक निगम मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राजेश श्रृंगारपुरे, फरनाज शेट्टी, रति पांडे, और मनोज जोशी जैसे कलाकार भी शामिल हैं। शिल्पा शिरोडकर 90 के दशक में गोपी किशन, आंखें, और खुदा गवाह जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। शिल्पा बिग बॉस के 18वें सीजन का भी हिस्सा रहीं।

साभार एजेंसी

जवान दिखने के लिए एंजेलिना जोली ने कराया एंटी एजिंग ट्रीटमेंट

हॉलीवुड एक्ट्रेस एंजेलिना जोली की खूबसूरती किसी से भी छिपी नहीं है। खबरों के मुताबिक 50 साल पार कर चुकीं अभिनेत्री ने अब उम्र से कम दिखने के लिए एंटी एजिंग ट्रीटमेंट भी लिया है। हॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री एंजेलिना जोली अपनी खूबसूरती और दमदार अदाकारी के लिए हमेशा चर्चा में रही हैं। अब 50 साल की उम्र पार कर चुकीं एंजेलिना जोली के एंटी एजींग ट्रीटमेंट लेने की बात सामने आ रही है। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, एंजेलिना जोली ने जवान और खूबसूरत दिखने के लिए लेजर ट्रीटमेंट करवाया है।

एंजेलिना ने करवाया लेजर ट्रीटमेंट

इनटच वीकली की रिपोर्ट के मुताबिक एंजेलिना जोली ने जवान दिखने के लिए अपनी स्किन का लेजर ट्रीटमेंट करवाया है। हमेशा से ही वो अपनी स्किन की देखभाल को लेकर बेहद सजग रही हैं। स्किन रूटीन और समय-समय पर विशेषज्ञों की सलाह लेना उनकी आदत में रहा है। हालांकि अब खबर आ रही है कि इस बार उन्होंने स्किन के टेक्सचर को और बेहतर बनाने और फाइन लाइंस को कम करने के लिए कुछ लेजर ट्रीटमेंट्स कराए हैं। ये ट्रीटमेंट स्किन को टाइट करने और एक ही तरह की रंगत देने के लिए करवाए जाते हैं।

टिस्का चोपड़ा ने रियल एस्टेट की जगह फैशन में निवेश की बताई वजह

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बताया कि उन्होंने रियल एस्टेट की बजाय फैशन में निवेश क्यों किया। अभिनेत्री ने हालिया पोस्ट के जरिए जूतों के प्रति अपने आकर्षण को दर्शाया है।

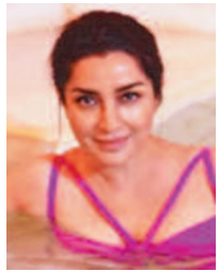

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपनी लगभग 50 जोड़ी हील्स से घिरी एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में जूतों का एक संग्रह दिखाई दे रहा है, जिसमें हील्स, सैंडल और अन्य स्टाइलिश जूते शामिल हैं। उन्होंने तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, वो कहते हैं कि मैं जूतों की बजाय रियल एस्टेट में निवेश कर सकती थी... लेकिन, आप डुप्लेक्स में नहीं घूम सकते। अभिनेत्री को आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर के कलाकारों के साथ फिल्म देखने का मौका मिला। स्पोर्ट्स कॉमेडी देखने के बाद टिस्का ने इसे 'दिल से भरा' बताया। उन्होंने फिल्म के कास्ट और क्रू के साथ तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा, आमिर जैसा काम कोई नहीं करता।